www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 10 अगस्त 2026
वर्ष: 17
अंक: 97 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रॉले ने वैन को मारी टक्कर 6 श्रद्धालुओं की हो गई मौत

- महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे सभी श्रद्धालु

धार (एजेंसी)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। वे गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे

थे। गाड़ी की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था

पुलिस ने कहा- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन में 6 लोग सवार थे। ट्रॉला रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसमें लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको वैन नंबर उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। हादसा बहुत ज्यादा भीषण था।

जेन जी ऐसी ताकत है जिसे नजरअंदाज नहीं कर सकते

- मोदी सरकार से इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बीजेपी नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय

शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस मुद्दे को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के ठीक दो हफ्ते बाद प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अपने इस्तीफे पर चुप्पी तोड़ी। प्रधान ने कहा, जेन जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं।

बीजेडी और नवीन पटनायक पर साधा निशाना

रायराखोल में एक और बैठक में प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन और वापस जाओ के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है।

करीब 50 करोड़ रुपए में अरबपति परिवार की 'ग्रैंड शादी', नाम पर सस्पेंस

दूर देश वियतनाम में सजेगा भारतीय रईसों का मंडप!

हनोई (एजेंसी)। भारत के एक उद्योगपति परिवार ने वियतनाम में शादी करने के लिए करीब 47 करोड़ रुपये में रिसॉर्ट बुक किया है। अरबपति परिवारों का एक भारतीय जोड़ा दिसंबर महीने में वियतनाम के न्हा ट्रांग में शादी करेगा। शादी का ये कार्यक्रम चार दिन तक चलेगा जिसका कुल खर्च 5.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानि करीब 47 करोड़ 60 लाख रुपयों का खर्च आएगा। आयोजकों में से एक ब्लू लेमन वियतनाम कंपनी के जनरल डायरेक्टर फान क्वांग दाई ने बताया कि यह शादी 9 से 13 दिसंबर के बीच न्हा ट्रांग बे के होन ट्रे आईलैंड पर मौजूद रिसॉर्ट में होगी। इसमें भारत और दुनिया भर से करीब 1,400 मेहमान शामिल होंगे। इस इवेंट के आयोजन और सर्विस में 600 से ज्यादा स्टाफ सदस्य शामिल होंगे। इसे वियतनाम में अब तक की सबसे बड़ी भारतीय शादी माना जा रहा।

अमीरों का पसंदीदा जगह बनता जा रहा वियतनाम

वियतनाम बड़े पैमाने पर शादी करने के इच्छुक भारत के अमीर परिवारों के लिए एक पसंदीदा डेस्टीनेशन बनता जा रहा है। खबरों के मुताबिक दिसंबर 2025 में भारत के एक अरबपति परिवार ने शादी के लिए फू क्वोक में सात दिनों के लिए पूरा रिजॉर्ट बुक किया था जिसमें 1,130 से ज़्यादा मेहमान शामिल हुए थे।

वियतनाम में अमीरों का सजेगा मंडप!

दाई ने बताया कि इस जश्न का आयोजन संयुक्त रूप से तुर्की की कंपनी ब्लू लेमन वियतनाम और भारत की एक वेडिंग प्लानिंग और मैनेजमेंट एजेंसी कर रही हैं। हालांकि ये उद्योगपति परिवार कौन हैं इसकी जानकारी का खुलासा नहीं किया गया है। नाम को गोपनीय रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत और दूसरे देशों से आने वाले मेहमान भारतीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

दिन में सूर्यग्रहण, रात में होगी उल्कापिंड की बारिश

खगोलीय इतिहास के लिए ऐतिहासिक होगा 12 अगस्त

24 घंटे में होंगी 3 बड़ी घटनाएं, दिखेगी ग्रहों की कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 अगस्त, 2026 की तारीख दुनिया भर के खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए बेहद खास बनने जा रही है। इस एक दिन 24 घंटे की भीतर तीन बड़ी आसमानी घटनाएं एक साथ होंगी। सुबह सूरज उगने से ठीक पहले छह ग्रहों की कतार दिखेगी, दिन में पूर्ण सूर्य ग्रहण लगेगा और रात में टूटे हुए तारों यानी पर्सिड उल्कापिंडों की आतिशबाजी होगी।

सुबह दिखेगी 6 ग्रहों की अनोखी कतार

12 अगस्त को सूरज निकलने से लगभग 30 से 60 मिनट पहले आसमान में छह ग्रह, बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून एक लाइन में फैले हुए दिखाई देंगे। इनमें से मंगल, बृहस्पति और शनि को बिना किसी उपकरण के नंगी आंखों से देखा जा सकेगा, जबकि यूरेनस और नेपच्यून को देखने के लिए बाइनोकुलर्स या टेलीस्कोप की जरूरत पड़ेगी।

हो जाइए तैयार!

और पड़ेगी महंगाई की मार

- रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजें जल्द होंगी महंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जल्द ही रोजाना इस्तेमाल होने वाले सामान यानी एफएमसीजी प्रोडक्ट के दाम बढ़ सकते हैं। जियोपॉलिटिकल तनाव के कारण कच्चे माल की लागत यानी इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां चालू यानी सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले पिछली यानी अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने औसतन 2 से 5 फीसदी तक दाम बढ़ाए थे। इस तिमाही यानी जुलाई-सितेबर में कंपनियां सीधे तौर पर रेट बढ़ाने के अलावा 'श्रिंकफ्लेशन' का सहारा ले रही हैं। यानी सामान की कीमत वही रहेगी, लेकिन पैकेट में उसकी मात्रा यानी वजन कम कर दिया जाएगा। कंपनियों का कहना है कि पाम ऑयल, चीनी और क्रूड ऑयल के दामों में उतार-चढ़ाव से मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। भारत में प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, नेस्ले, डाबर, ब्रिटानिया आदि इन प्रोडक्ट्स में सक्रिय हैं। एफएमसीजी वे रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान हैं जो जल्दी बिकते और खर्च हो जाते हैं।

बिस्किट से लेकर साबुन-तेल सबकी कीमतें बढ़ेंगी

5 और 10 वाले बिस्किट पैकेट का वजन घटेगा

देश की प्रमुख बेकरी और स्नैक कंपनी ब्रिटानिया चालू तिमाही में श्रिंकफ्लेशन के जरिए कीमतों में 1.5 से 2 फीसदी की और बढ़ोतरी कर सकती है। यह कटौती मुख्य रूप से कंपनी के 5 और 10 वाले बिस्किट पैक्स में देखने को मिलेगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने बताया कि चीनी और पाम ऑयल जैसे कच्चे माल की कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुई हैं। पहली तिमाही में हमारी ग्रोथ काफी हद तक श्रिंकफ्लेशन पर निर्भर थी।

2 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती है महंगाई

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड भी अपने अलग-अलग प्रोडक्ट कैटेगरी में कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी का अनुमान है कि जून तिमाही के मुकाबले सितंबर तिमाही में 2 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हो सकती है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने जून तिमाही में औसतन 5 फीसदी दाम बढ़ाए थे। कंपनी का कहना है कि वह चालू तिमाही में फिलहाल तुरंत बड़े प्राइस हाइक से बच रही है और कमोडिटी मार्केट के स्थिर होने का इंतजार कर रही है। कंपनी के सीईओ सुधीर सीतापति ने बताया कि गोदरेज के कई इनपुट कॉस्ट कच्चे तेल से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड फिलहाल 80 से 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। अगर क्रूड इसी रेंज में रहता है तो हमें किसी बड़े प्राइस हाइक की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम वर्ष 27 के लिए अपने रेवेन्यू टारगेट को आसानी से हासिल कर लेंगे। डाबर इंडिया के ग्लोबल सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत आने वाले दिनों में भी बनी रह सकती है। कंपनियों के पास इस लागत का बोझ कंज्यूमर्स पर डालने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

वेस्ट एशिया संकट और अल-नीनो पर नजर

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एमडी सुनील डी सूजा ने बताया कि लागत का असर काफी डायनेमिक है। अगर जरूरत पड़ी तो कंपनी आगे कीमतों में बदलाव करेगी। वहीं नेस्ले इंडिया ने अपने इन्वेस्टर प्रेजेंटेशन में सचेत किया है कि शॉर्ट-टर्म में ओवरऑल कंजम्पशन थोड़ा सुस्त हो सकता है। कंपनी ने कहा कि वेस्ट एशिया का संघर्ष और मानसून पर एल-नीनो का संभावित असर फूड एंड बेवरेज सेक्टर के लिए चिंता का विषय है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अब 'रक्तदान' का संकल्प

राजनाथ बोले-जवानों के लिए खून की कमी नहीं होने देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा' के दूसरे वर्ष के अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को सैनिकों के प्रति देश की जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां भारत के पराक्रम को दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की करुणा और संवेदनशीलता का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता के एक आयाम का प्रतीक था, जबकि सिंदूर रक्तदान अभियान करुणा का दूसरा आयाम दिखाता है।

'एक भी जवान को खून की कमी से जूझना न पड़े'

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की सेवा करते हुए घायल होने वाला कोई भी सैनिक खून की कमी के कारण परेशानी में न पड़े। उन्होंने रक्तदान को सैनिकों के प्रति सम्मान और सेवा का माध्यम बताया। उनका कहना था कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए नागरिकों का यह योगदान बेहद महत्वपूर्ण है।

देश में बारिश से 'हाहाकार' कॉलोनियां-सड़कें सब डूबीं

एमपी में पुल के ऊपर बह रही है नर्मदा नदी, संकट गहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मूसलाधार बारिश जारी है। राजस्थान के जयपुर में रविवार सुबह 6 से 9 बजे तक लगातार बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट तक पानी भर गया। घरों में भी पानी घुस गया। वहीं, चूरू में भी कॉलोनियां डूब गईं। मध्य प्रदेश के डिंडौरी में शनिवार रात 9 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक 6 इंच बारिश हुई। पानी नर्मदा नदी पर बने पुल के ऊपर से बह रहा है। दिल्ली में पिछले 8 दिनों के दौरान महीने भर की बारिश हो गई। दिल्ली में अगस्त के शुरुआती 8 दिनों में 230.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो महीने की सामान्य औसत बारिश 226.8 मिमी से ज्यादा है।

हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण 153 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण 153 सड़कें बंद हो गईं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, कई हिस्सों में बिजली व पानी आपूर्ति ठप हो गई। 30 जून को मानसून शुरू होने के बाद से अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं में राज्य में 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें 14 जानें भूस्खलनों में गई हैं।

'कृष्णलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे'

- संतों ने किया 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा का ऐलान

मथुरा (एजेंसी)। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के बीच मथुरा में साधु-संतों ने एक बार फिर बड़ा कदम उठाते हुए आंदोलन को तेज करने की घोषणा कर दी है। संतों ने 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा करने का ऐलान किया है। संतों ने इसको लेकर एक नारा भी दिया है जो कि 'कृष्ण लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' है। दरअसल, मथुरा चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने संतों का नेतृत्व करते हुए राज्य सरकार से अनुमति की मांग की है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमें अनुमति दें, हम श्री कृष्ण का भव्य मंदिर बनाना चाहते हैं।

झारखंड सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता

- कई मांगों पर बनी सहमति आंदोलन समाप्त करने का जल्द ऐलान संभव

रांची (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के बीच रविवार को नए दौर की बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार इस बातचीत में कई मांगों पर सहमति बन गई है। राज्य सरकार 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा समेत तीन को रद्द करने और गड़बड़ी-भ्रष्टाचार मामले की जांच ईडी को सौंपने के लिए तैयार है।

छात्रों का प्रदर्शन 16वें दिन भी जारी

इस बीच, छात्रों का प्रदर्शन रविवार को 16वें दिन भी जारी है और छह प्रदर्शनकारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। एक छात्र नेता ने कहा कि 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा रद्द करने के साथ जेपीएससी और जेएसएससी में सुधार की मांगों पर सकारात्मक नतीजे की उम्मीद है। प्रदर्शनकारी कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

अमरीका में 5 लाख भारतीयों की नौकरी पर संकट

एच-1 बी वीजा वालों की नौकरी गई तो तुरंत छोड़ना पड़ेगा यूएसए

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एच-1 बी वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है। यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है।

अमेरिका में 7 साल रहने वाले प्रवासियों को ग्रीन कार्ड मिलेगा

अमेरिका में रह रहे भारतीय एच-1बी वीजा धारकों समेत लाखों लोगों के लिए ग्रीन कार्ड पाने का नया मौका मिल सकता है। अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा विधेयक पेश किया गया है, जिसमें पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे लोगों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसे आधिकारिक तौर पर परमानेंट रेजीडेंट कार्ड कहा जाता है।

विदेशमंत्री जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया। उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

भगवामय हुई धर्मनगरी: कांवड़ यात्रा में पीछे छूटा नाम

आस्था पथ पर सिर्फ भोला, ढाई करोड़ से ज्यादा ने भरा जल

हरिद्वार। सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान धर्मनगरी हरिद्वार आस्था के रंग में रंगी हुई है। गंगा घाटों से लेकर कांवड़ पटरी तक हर तरफ भगवा रंग दिखाई दे रहा है। लाखों शिवभक्त अपने कंधों पर कांवड़ उठाकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। वे हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगा रहे हैं। इस यात्रा में कई कांवड़ियों की घर में अलग पहचान होती है लेकिन हरिद्वार पहुंचते ही उनका नाम और पहचान पीछे छूट जाती है। कोई शिवम, कार्तिक, मोहित या राजू हो, यहां सबकी जुबान पर सिर्फ "भोला" नाम है।

घर से निकलते समय मां-बाप और दोस्त उन्हें उनके असली नाम से पुकारते हैं। कांवड़ यात्रा में

कदम रखते ही साथी कांवड़िये उन्हें प्यार से "भोला" कहकर बुलाते हैं। यह नाम उनकी थकान मिटाने का जरिया भी बन गया है।

रास्ते में साथी कांवड़िये एक-दूसरे को पानी पिलाते हैं। वे कंधे से कांवड़ संभालते हुए "चल भोले, थोड़ा और चलना है" कहकर हौसला बढ़ाते हैं। कांवड़ मेले की सबसे खास बात यह है कि यहां जाति, उम्र, शहर और पहचान का फर्क मिट जाता है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य हिस्सों से आए शिवभक्त एक ही रंग में रंगे दिखते हैं।

मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में तिरंगा फहराने का किया आहवान

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को गांधी पार्क, देहरादून में आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने–अपने घरों में तिरंगा फहराने और राष्ट्रभक्ति की ज्वाला को सदैव प्रज्वलित रखने का आवाह्न किया।

मुख्यमंत्री ने घंटाघर स्थित उत्तराखण्ड आन्दोलन के महान नायक स्व. श्री इन्द्रमणी बडोनी एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री, गांधी पार्क से घंटाघर तक हजारों लोगों के साथ तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा तिरंगा यात्रा, राष्ट्र गौरव का उत्सव है। तिरंगा, करोड़ों भारतवासियों के स्वाभिमान का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं वीर जवानों ने तिरंगे पर कभी कोई आंच नहीं आने दी। हमारा संकल्प है कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।उन्होंने कहा राष्ट्रभक्ति की भावना देवभूमि के कण–कण में बसी है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत, महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ रही है। मेक इन इंडिया, डिजिटल क्रांति, स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।आज हम दुनिया को अनेकों क्षेत्र में नई दिशा दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ा है। सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। देश, रक्षा क्षेत्र में निर्यातक बन रहा है। उन्होंने कहा हमारा राज्य देवभूमि के साथ वीरभूमि भी है। उत्तराखंड की मिट्टी ने देश को अनगिनत वीर सैनिक दिए हैं। हर दूसरे परिवार का बेटा सीमा पर रक्षा के लिए तैनात रहता है। राज्य सरकार अपने वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार, प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और हवाई कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं को मजबूत कर रही है। 30 से अधिक क्षेत्रों में विशिष्ट नीतियों के माध्यम से राज्य में विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य की अर्थव्यवस्था कई गुना बढ़ चुकी है, पिछले एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। राज्य की प्रतिव्यक्ति आय में भी 41 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं। स्टार्टअप्स की संख्या भी 1750 से अधिक हो चुकी है। राज्य में रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है साथ ही सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने में राज्य ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि देवभूमि के मूल स्वरूप के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में कड़ा धर्मांतरण विरोधी कानून, कठोर दंगा रोधी कानून, देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता का कानून लागू किया है।प्रदेश में मदरसा बोर्ड को समाप्त कर उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण बनाया गया है। साथ ही बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले 250 से अधिक अवैध मदरसों पर कार्रवाई कर उन्हें बंद किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में करीब 13 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को कब्जे से मुक्त किया है। भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्यवाही की गई है। सख्त नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद बिना किसी धांधली के पिछले करीब पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली है। राज्य में युवाओं को श्नौकरी देने वालाश् बनाने के मकसद से युवाओं को मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, होम–स्टे, पर्यटन नीति जैसी कई योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट, श्री नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, श्री सौरभ बहुगुणा, श्री खजान दास, विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ श्री विनोद चमोली, श्रीमती सविता कपूर, मेयर श्री सौरभ थपलियाल, महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, महामंत्री श्री कुंदन परिहार, श्रीमती दीप्ति रावत एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

स्वच्छता अभियान में बच्चों ने भी बढ़ाया उत्साह

डोईवाला। जीवनवाला ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 8 में रविवार को कॉलोनी से फतेहपुर गुरुद्वारा साहिब तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र की सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्थानीय लोगों और कॉलोनी के बच्चों ने श्रमदान कर अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्राम प्रधान गुरजीत सिंह लाडी ने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रत्येक रविवार यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों की भागीदारी से उनमें स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। उपस्थित लोगों ने भी घर और आसपास की नियमित साफ–सफाई रखने का संदेश दिया। इस दौरान भीम बहादुर, चिंतामणी, वार्ड सदस्य माया, वार्ड सदस्य अजीत सिंह हन्नी, पूर्व वार्ड सदस्य रमनदीप सिंह, वार्ड सदस्य परविंदर कौर, इंदर सिंह, लाल बहादुर, रामकुमार, हीरा देवी, बबलू अधिकारी, पार्वती, पूरन, प्रकाश श्रेष्ठ, कुणाल गिरी, शुभम क्षेत्री, दीपिका क्षेत्री, अलीशा थापा, सूरज थापा, चमन क्षेत्री, पवन, विनय थापा, संकेत थापा, शान्तनु आदि मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

ऋषिकेश। युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष गौरव भारती के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कांग्रेस भवन में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी को पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत कार्यकर्ताओं ने शहर में आमजन को मिठाई वितरित कर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। रविवार को कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गौरव भारती ने कहा कि युवा कांग्रेस देश के युवाओं की आवाज बनकर लोकतंत्र, संविधान और जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष कर रही है। युवा देश के भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और युवा कांग्रेस युवाओं को संगठन से जोड़कर उनकी आवाज को मजबूती प्रदान करने का काम जारी रखेगी। इस अवसर पर प्रदेश सचिव अंकुश प्रकाश ने कहा कि युवा कांग्रेस का इतिहास संघर्ष, त्याग और जनसेवा से जुड़ा हुआ है। हम इंदिरा गांधी जी को नमन करते हुए यह संकल्प लेते हैं कि युवाओं के अधिकारों, रोजगार, शिक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से संघर्ष करेंगे। इस दौरान अध्यक्ष ललित मोहन मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष रवि थापा, ब्लॉक उपाध्यक्ष मयंक पाल, ब्लॉक अध्यक्ष हिमांशु कश्यप, पूर्व छात्र संघ विश्वविद्यालय प्रतिनिधि अखिल गुलियल, विशाल भारती, यतीश सिंह, अभिषेक वर्मा, उदित झा, नैतिक, सचिन सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस मौजूद रहे।

श्रीराम चरित मानस पाठ का समापन

कर्णप्रयाग। पौराणिक सांकरेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित दो दिवसीय श्री राम चरित मानस पाठ यज्ञ की पूर्ण आहुति और भंडारे के साथ संपन्न हो गया है। सुबह मंदिर के महंत शंकर गिरी ने भगवान भोलेनाथ का पंच द्रव्यों से महाभिषेक पूजाएं संपादित की। दोपहर को श्री राम चरित मानस पाठ के संपन्न होने पर आयोजकों ने विष्णु शहस्त्रनाम और नामावलियों से हवन किया और भगवान भोलेनाथ को भोग अर्पित कर प्रसाद ग्रहण किया। अनुष्ठान में मंदिर समिति के अध्यक्ष अरविंद गुसांई, उपाध्यक्ष विकास भट्ट, सचिव देवेश सती, कोषाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, नरेश चंद्र डिमरी आदि मौजूद रहे।

एसएसपी ने सीटीवी मॉनिटरिंग का लिया जायजा

ढालवाला। डाक कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर एसएसपी टिहरी गढ़वाल श्वेता चौबे ने शाम पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर कांवड़ मेला क्षेत्र में चल रही सीसीटीवी और ड्रोन मॉनिटरिंग का जायजा लिया। उन्होंने हाईटेक कैमरों से कांवड़ मार्ग, प्रमुख घाटों, संवेदनशील स्थानों, पार्किंग और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की लाइव स्थिति देखी। एसएसपी ने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को 24 घंटे ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी, जाम या अत्यधिक भीड़ होने पर तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और यातायात सुचारू कराने के निर्देश दिए। साथ ही संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत उच्चाधिकारियों को देने और क्विक रिस्पॉन्स टीम को अलर्ट मोड पर रखने को कहा। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क पर तैनात जवानों से लेकर आधुनिक तकनीकी संसाधनों तक टिहरी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

विकासनगर में ज्वेलर्स शॉप पर चोरों का धावा

विकासनगर।विकासनगर क्षेत्र में एक बार फिर चोरों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए देर रात न्यू राणा ज्वेलर्स को निशाना बनाया। अज्ञात चोर दुकान में घुसकर लाखों रुपये मूल्य के सोने–चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकान संचालक दुकान खोलने पहुंचे तो ताले टूटे और दुकान का सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के व्यापारियों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और पूरे बाजार में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलने पर विकासनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने के साथ–साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोर किस रास्ते से दुकान तक पहुंचे और चोरी के बाद किस दिशा में फरार हुए। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि चोर वारदात को अंजाम देने की पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने सुनसान समय का फायदा उठाकर दुकान को निशाना बनाया और कुछ ही देर में लाखों रुपये के जेवरात समेटकर फरार हो गए। चोरी गए सामान का सही मूल्यांकन दुकान स्वामी द्वारा स्टॉक मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

घटना के बाद व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका आरोप है कि रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाए जाने की आवश्यकता है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। व्यापार मंडल से जुड़े लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द घटना का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए जेवरात की बरामदगी की मांग की है।

पूर्व बसपा विधायक को दी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश। बापू ग्राम स्थित कार्यालय में बहुजन समाज पार्टी, विधानसभा इकाई की ओर से एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक से पूर्व बसपा विधायक दिवंगत उमाशंकर के निधन पर शोक व्यक्त किया गया और उनके चित्र के पर कार्यकर्ताओं की ओर से पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर महावीर सिंह हल्द्वानी,प्रदीप कुमार बृजेश कुमार निगम, बृजमोहन राजभर, पंकज जाटव, रवि कुमार गौतम, राजकुमार राज, सरल चौहान, संदीप गुप्ता,अनिल गुप्ता ,चंद्रप्रकाश, शैलेंद्र, धीरज कुमार, सुरेंद्र जायसवाल, शिव जी तिवारी अशोक कुमार ,जसवंत कुलदीप मचल शोभाराम ,जगदीश जाटव, आदि उपस्थित रहे।

धारकोट मोटर मार्ग की जर्जर स्थिति पर आक्रोशित हुए ग्रामीण

जौलीग्रांट।डोईवाला विधानसभा क्षेत्र के धारकोट मोटर मार्ग की जर्जर होती स्थिति से ग्रामीणों में आक्रेश है। जल निकासी के लिए स्थायी नाली नहीं होने से बारिश का पानी सड़क पर बह रहा है जिससे सड़क की परत उखड़ने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने जल्द मोटर मार्ग की मरम्मत न किए जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या के संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने स्थायी व वैज्ञानिक जल निकासी व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़क और खिसके पुश्तों के गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो वे जनहित में शांतिपूर्ण आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

– धारकोट रोड पर नाली नहीं होने के कारण बरसात का पानी सीधे सड़क पर बह रहा है। इससे सड़क लगातार क्षतिग्रस्त हो रही है और लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। विभाग को बिना देरी किए स्थायी नाली और सड़क सुधार का कार्य शुरू करना चाहिए।–प्रमेश राठौर, धारकोट।

– ग्रामीण कई बार विभाग को इस समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो बरसात में सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है और बड़ा हादसा भी हो सकता है।

—सुनील सोलंकी, उपप्रधान, सनगांव।

अल्मोड़ा जेल में मनाया गया अगस्त क्रांति दिवस

अल्मोड़ा। भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ पर ऐतिहासिक अल्मोड़ा जिला जेल में रविवार को अगस्त क्रांति दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी यादों और इतिहास से लोगों को रूबरू कराने के लिए जेल के दरवाजे आगंतुकों के लिए खोले गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और देशभक्ति के गीतों से माहौल देशभक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बच्चों को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और उस दौर की परिस्थितियों से अवगत कराया।

अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि ऐतिहासिक जिला जेल को भविष्य में संग्रहालय के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल को दूसरी जगह स्थानांतरित कर इस ऐतिहासिक स्थल को पर्यटकों के लिए खोला जा सकता है। इससे लोग यहां स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी स्मृतियों और इस स्थान से जुड़ी महान हस्तियों के इतिहास को करीब से जान सकेंगे।

जितेंद्र मिस्टर और काजल मिस फेशर बनी

गुप्तकाशी। गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय में तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने नवप्रवेशित प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। इस दौरान जितेंद्र मिस्टर तथा काजल को मिस फेशर चुना गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार गैड़ी ने छात्रों केउज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रसंघ प्रभारी डॉ. गंगा राम वैश्विक ने विद्यार्थियों से पूर्ण मनोयोग एवं अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. योगिशा, डॉ. हितेंद्र शर्मा, डॉ. मो. शादाब आलम, डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र, डॉ. मनोरम मित्रा, डॉ. आजाद सिंह, डॉ. अंजना, छात्रसंघ महासचिव आयुष बिष्ट, विवि प्रतिनिधि आयुष राणा आदि मौजूद रहे।

पशु मांस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सहसपुर। सहसपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक हुंडई कार से करीब 50 किलो पशु मांस, हड्डियां और सींग बरामद करते हुए दो युवकों को गत शनिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी मांस के परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस के मुताबिक, स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति कार में पशु मांस लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन संख्या वड07अर–0540 को रोककर जांच की। वाहन की तलाशी के दौरान करीब 50 किलो पशु मांस के साथ हड्डियां और सींग बरामद हुए।

पुलिस द्वारा परिवहन संबंधी लाइसेंस मांगे जाने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर कोतवाली सहसपुर लाया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में धारा 325 बीएनएस तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 3/11 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

उफनती गंगा में बह रहे कांवड़िए को पुलिस ने बचाया

ऋषिकेश। भारी बारिश के कारण गंगा के तेज बहाव के बीच शनिवार को एक कांवड़िया बहने लगा। त्रिवेणी घाट पर ड्यूटी में तैनात जल पुलिस, आपदा राहत दल और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को सकुशल बचा लिया। रेस्क्यू टीम की तत्परता और साहस की मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने सराहना करते हुए उत्तराखंड पुलिस का आभार जताया।

जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2026 को त्रिवेणी घाट परिसर में जल पुलिस, आपदा राहत दल और एसडीआरएफ की टीम ड्यूटी पर तैनात थी। दोपहर के समय टीम को एक युवक गंगा के तेज बहाव में बहता हुआ दिखाई दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेस्क्यू टीम ने बिना समय गंवाए अभियान शुरू किया। टीम ने तेज बहाव के बीच युवक को साईं घाट ऋषिकेश के सामने राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र के पास सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए युवक की पहचान कपिल दुहन पुत्र सत्यवान दुहन, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम चिलयाना, थाना आईएमटी, जिला रोहतक, हरियाणा के रूप में हुई। रेस्क्यू के बाद युवक को उसके साथ आए साथी कांवड़ियों के सुपुर्द कर दिया गया। रेस्क्यू अभियान में आपदा राहत दल 40वीं वाहिनी पीएसी एचडीआर, एसडीआरएफ और जल पुलिस के जवान शामिल रहे। टीम ने तेज बहाव के बावजूद अदम्य साहस का परिचय देते हुए युवक की जान बचाई।

दिनदहाड़े गौशाला में घुसकर गुलदार ने गाय को मारा

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिले के विकासखंड चौखुटिया के ग्राम सभा सिमलखेत में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को तेंदुए ने दिनदहाड़े केदारी राम के गौशाला का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर एक गाय को मार डाला। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक तेंदुए का खतरा मुख्य रूप से रात के समय रहता था, लेकिन दिन में हुई इस घटना ने लोगों की चिंता कई गुना बढ़ा दी है। लगातार बढ़ रहे वन्यजीवों के हमलों से पशुपालकों के सामने पशुधन के साथ–साथ अपनी जान बचाना भी बड़ी चुनौती बन गया है। क्षेत्र में तेंदुए के अलावा भालू, जंगली सुअर, बंदर और लंगूर का आतंक भी लगातार बढ़ रहा है। इन वन्यजीवों से जहां खेती–बाड़ी को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

कीड़ाजड़ी खूब बटोरी लेकिन नहीं मिल रहे खरीदार

मुनस्यारी (पिथौरागढ़)। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कीड़ाजड़ी का विदोहन कर ग्रामीण अपने गांवों को लौट आए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, इस बार कीड़ाजड़ी का अच्छा उत्पादन हुआ है।

इसकी खरीद–बिक्री की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को इसका उचित बाजार और कीमत नहीं मिल रही है। इसके चलते वे निराश हैं। लोगों के मुताबिक मुनस्यारी के गांवों में एक क्विंटल कीड़ाजड़ी डंप है। उच्च हिमालयी क्षेत्र के दुर्गम बुग्यालों में सर्दियों के सीजन में काफी मात्रा में कीड़ाजड़ी का उत्पादन होता है। मध्य अप्रैल के बाद क्षेत्र के लोग कीड़ाजड़ी विदोहन के लिए बुग्यालों में जाते हैं। तीन वर्ष पूर्व तक ठेकेदार लगभग 16 लाख रुपये प्रति किलोग्राम ग्रेडिंग के हिसाब से ग्रामीणों से कीड़ाजड़ी खरीदते थे। पिछले वर्ष भी काश्तकारों को इसका मूल्य महज छह लाख रुपये प्रति किलोग्राम ही मिल पाया। इस बार कीड़ाजड़ी का दाम महज तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक ही बताया जा रहा है।

डाक कांवड़ के साथ बढ़ा वाहनों का दबाव

ऋषिकेश। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारों और बाइपास मार्ग पर दोपहिया वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण पुलिस को यातायात का रूट बदलना पड़ा। कांवड़ियों के वाहनों को बाजार और आंतरिक मार्गों से भेजे जाने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग समेत शहर की गलियां भी पैक रहीं। इस दौरान कई स्थानों पर कांवड़ियों की पुलिसकर्मियों से कहासुनी भी हुई।

डाक कांवड़ शुरू होने के बाद सुबह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर डाक कांवड़ के ट्रकों का दबाव बढ़ गया। पुलिस ने श्यामपुर पुलिस चौकी से ट्रकों को आईडीपीएल पार्किंग की ओर भेजा जहां से कांवड़िये पैदल पशुलोक बैराज–बाघखाला होते हुए नीलकंठ रवाना हुए। वहीं, हाईवे पर आने वाले कांवड़ियों के दोपहिया वाहनों को बाइपास मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया।बाइपास मार्ग पर गौरा देवी चौक और इंद्रमणि बडोनी चौक के पास जाम जैसे हालात बनने पर पुलिस ने कांवड़ियों के दोपहिया वाहनों को श्यामपुर पुलिस चौकी से आईडीपीएल सिटी गेट, कोयलघाटी और बाजार की ओर भेजना शुरू किया। इसके चलते बाजार और आंतरिक मार्गों पर कांवड़ियों की आवाजाही बढ़ गई। कांवड़िये अलग–अलग मार्गों से नीलकंठ की ओर रवाना होते रहे। कई कांवड़िये कोयलघाटी चौक से पशुलोक बैराज होते हुए नीलकंठ पहुंचे। कुछ घाट चौक से रेलवे रोड, ऋषिकेश रेलवे स्टेशन और गौरादेवी चौक होते हुए आगे बढ़े जबकि कुछ देहरादून रोड से इंद्रमणि बडोनी चौक पहुंचे। वहीं, कुछ कांवड़िये राष्ट्रीय राजमार्ग से कैलाश गेट, रामझूला और गरुड़चट्टी होते हुए नीलकंठ की ओर रवाना हुए। बाजार के अंदर कांवड़ियों के वाहनों और भीड़ बढ़ने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पहाड़ी से सड़क पर गिरा भारी बोल्डर, बड़ा हादसा टला

ऐता-चरेख मोटर मार्ग पर ऐता पुल के समीप सड़क पर गिरे बोल्डर को जेसीबी से हटाती लोक निर्माण विभाग की टीम।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः ऐता-चरेख मोटर मार्ग पर ऐता पुल के पास पहाड़ी से अचानक भारी बोल्डर गिरने से अफरा-तफरी मच गई। बोल्डर सीधे सड़क के बीचों-बीच आ गिरा। संयोग से जिस समय यह घटना हुई, उस दौरान मार्ग से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

रविवार सुबह पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर खिसककर मोटर मार्ग पर आ गिरा। बोल्डर इतना भारी था कि ग्रामीणों और राहगीरों ने उसे सड़क से हटाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। देखते ही देखते मार्ग के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और चरेख तथा ऐता के बीच आवाजाही प्रभावित हो गई। मार्ग अवरुद्ध होने के कारण चारपहिया वाहनों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हालांकि दोपहिया वाहन चालक सड़क के किनारे से किसी तरह निकलते रहे। इससे स्थानीय ग्रामीणों और अन्य राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। सूचना और शिकायत के बाद लोक निर्माण विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

जेसीबी की मदद से सड़क पर पड़े बोल्डर को हटाया गया, जिसके बाद यातायात दोबारा सुचारु हो सका। करीब कई घंटे तक यातायात प्रभावित रहने के बाद मार्ग खुलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार भूस्खलन और बोल्डर गिरने का खतरा बना रहता है। ऐसे में प्रमुख मोटर मार्गों पर संवेदनशील स्थानों की निगरानी और समय रहते सुरक्षा उपाय किए जाने की जरूरत है।

घटना में किसी वाहन या व्यक्ति के चपेट में नहीं आने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन सड़क पर भारी बोल्डर गिरने की घटना ने मार्ग की सुरक्षा और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल जरूर खड़े किए हैं।

संत रविदास के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर में संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज के 650वींजयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संत रवि दास को समानता, मानवता, सेवाभाव का संदेश देने वाला महापुरूष बताया।

सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड ने संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि संत रविदास के विचार आपसी प्रेम को बढावा देते है तथा उंच नीच के भेदभाव को मिटाते हैं। तत्पश्चात शिक्षक मनोज जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से संत रविदास के जीवन परिचय व उनके कार्यों को दिखाया। शिक्षक अंचल कुमार अग्रवाल ने कहा कि संत रविदास की जयंती को समरसता, संकल्प अभियान के तहत मनाया जा रहा है। कहा कि उन्होंने समाज को समानता, सेवा, सदभाव और मानवता का अमूल्य संदेश दिया। मन चंगा तो कठौती में गंगा यह मुहावरा भी संत रविदास को स्मरण करवाता है। इस मौके पर प्रयाग दत्त चमोली, गीता रावत, सुनीता पंत, श्रेया चौधरी, कीर्ति द्विवेदी, अंजू चमोला, दीक्षा, पूजा चतुर्वेदी मौजूद रहे।

गुलदार का हमला, मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यक्ति ने डंडे से बचाई जान

कोटड़ीढांग में गुलदार के हमले में घायल राम सिंह।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम के सनेह क्षेत्र स्थित कोटड़ीढांग में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। रविवार सुबह मार्निंग वॉक के लिए निकले 56 वर्षीय राम सिंह पर गुलदार ने अचानक हमला कर दिया।

खतरा भांपते ही राम सिंह ने हाथ में मौजूद डंडे से गुलदार के मुंह पर प्रहार किया, जिसके बाद वह जंगल की ओर भाग गया। हमले में राम सिंह की जांघ पर चोट आई है। घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे की बताई जा रही है। कोटड़ीढांग निवासी राम सिंह रोजाना की तरह कोटद्वार-सनेह मोटर मार्ग पर टहलने निकले थे। गंगा वाटिका के समीप पहुंचते ही झाड़ियों से निकले गुलदार ने उन पर झपट्टा मार दिया। राम सिंह ने हिम्मत दिखाते हुए हाथ में पकड़े डंडे से गुलदार पर वार किया। प्रतिरोध के बाद गुलदार वहां से जंगल की ओर चला गया। गुलदार के हमले में घायल राम सिंह को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनकी जांघ पर आए घाव का उपचार किया। क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता लंबे समय से बनी हुई है। इससे पहले 30 मई को कोटड़ीढांग निवासी 39 वर्षीय रीना देवी पत्नी भूपेंद्र अधिकारी पर भी गुलदार ने हमला किया था। इसके बाद से गुलदार की आवाजाही क्षेत्र में लगातार देखी जा रही है। कुछ दिन पूर्व गुलदार रीना देवी के घर के परिसर में भी घुस आया था और वहां उनके पालतू कुत्ते पर हमला कर दिया था। लगातार घटनाओं के बाद स्थानीय लोग वन विभाग से गुलदार को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने सात अगस्त को कोटड़ीढांग में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। हालांकि, अब तक गुलदार पिंजरे में नहीं आया है और उसकी सक्रियता के कारण क्षेत्रवासियों में भय बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

दर्जी को मनी लांड्रिंग में फंसाने का भय दिखाकर लाखों की ठगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः द्वारीखाल विकासखंड के चेलूसैण गांव में साइबर ठगों ने एक दर्जी को मनी लांड्रिंग मामले में फंसाने का भय दिखाकर लाखों रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ित को कानूनी कार्रवाई का डर दिखाया और बैंक खाते में जमा रकम अपने बताए खातों में स्थानांतरित करवा ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी तहरीर में चेलूसैण निवासी परमानंद ने बताया कि गांव में उनकी टेलरिंग की दुकान है। उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को आईपीएस अधिकारी बताते हुए कहा कि वह मनी लांड्रिंग के एक मामले में फंस गया है। फोन करने वाले ने दावा किया कि संदीप नाम के व्यक्ति ने बयान दिया है कि उसने परमानंद से दो लाख रुपये में बैंक खाता खरीदा था और उसमें 68 लाख रुपये जमा किए गए हैं। आरोपित ने खाते की जांच होने और सीबीआई अधिकारियों के स्तर से कार्रवाई किए जाने की बात कहकर उन्हें भयभीत कर दिया। इसके बाद दूसरे नंबर से फोन कर उनसे बैंक खाते से संबंधित जानकारी मांगी गई। ठगों के झांसे में आकर परमानंद ने अपनी पांच–पांच लाख रुपये की तीन एफडी तुड़वाकर रकम बैंक खाते में जमा कराई। इसके बाद ठगों के बताए खाते में रकम स्थानांतरित कर दी। ठगी का सिलसिला यहीं नहीं रुका। आरोपितों ने उन्हें अपने जेवरात पर भी ऋण लेने के लिए कहा। इस पर परमानंद को संदेह हुआ और उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों और बैंक खातों की जानकारी जुटाकर आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

शिव गुफा के पास डंपर–बाइक की टक्कर में एक कांवड़िये की मौत

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर शिव गुफा के पास रविवार को एक बाइक व डंपर की टक्कर हो गई जिसमें कांवड़ लेकर गंगोत्री जा रहे एक कांवड़िये की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। हादसा उस स्थान पर हुआ जहां सड़क संकरी है और चौड़ीकरण का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है।

पुलिस के अनुसार, रविवार को 112 के माध्यम से शिव गुफा के पास बाइक–डंपर की टक्कर की सूचना मिली। सूचना पर गेंवला ब्रह्मखाल चौकी प्रभारी एसआई बृजपाल सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों को निजी वाहन से राजकीय अस्पताल ब्रह्मखाल पहुंचाया। हादसे में घायल बाइक सवार बबलू (32) निवासी खिचड़ीपुर, कल्याणपुरी, नई दिल्ली की मौत हो गई जबकि साथी संदीप (30) निवासी खिचड़ीपुर, कल्याणपुरी, नई दिल्ली, मूल निवासी चंपावत घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक डंपर चालक की पहचान राकेश प्रसाद निवासी वाण, तहसील डुंडा के रूप में हुई है। धरासू थानाध्यक्ष मनोज असवाल ने बताया कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। शिव गुफा के पास हाईवे का संकरा हिस्सा हादसों के लिहाज से संवेदनशील बना हुआ है।

यमुनोत्री में कांवड़िये जान खतरे में डालकर भर रहे जल

बड़कोट। सावन में यमुनोत्री धाम में कांवड़ यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच श्रद्धालुओं की सुरक्षा खतरे में है। यमुना का जलस्तर बढ़ा है और बहाव तेज है। इसके बावजूद कांवड़ यात्री उबड़–खाबड़ और फिसलन भरे पत्थरों के बीच नदी में उतरकर स्नान और जल भर रहे हैं। स्नान घाट पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, सुरक्षा रस्सियां और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती नहीं होने से श्रद्धालु खुले तौर पर जोखिम उठा रहे हैं। कांवड़ यात्री आस्था के चलते तेज बहाव वाली यमुना में उतर रहे हैं। कई श्रद्धालु असुरक्षित स्थानों से नदी तक पहुंचकर स्नान कर रहे हैं और कांवड़ में जल भर रहे हैं।

एलिवेटेड मोटर मार्ग की मांग को लेकर चिल्लरखाल में धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड मार्ग के रूप में विकसित करने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का आंदोलन लगातार जारी है। रविवार को भी बड़ी संख्या में ग्रामीण चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरनास्थल पर पहुंचे और सरकार से स्थायी समाधान की मांग की। आंदोलनकारियों ने कहा कि क्षेत्र की जनता सड़क के अस्थायी समाधान के पक्ष में नहीं है।

धरने के दौरान मदन सिंह नेगी ने कहा कि मोटर मार्ग से जुड़े मामले में जनप्रतिनिधियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी पैरवी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पहले से डामरीकृत सड़क को न्यायालय के समक्ष पगडंडी के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे जनता का पक्ष कमजोर हुआ। उनका कहना था कि अब चुनाव नजदीक आने पर सड़क निर्माण की बात की जा रही है, जबकि क्षेत्रवासी एलिवेटेड मार्ग की मांग कर रहे हैं। देवेंद्र रावत ने सवाल उठाया कि कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण और सांसद अनिल बलूनी 11.5 किलोमीटर लंबे मार्ग को डिनोटिफाई कर लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित कराने की दिशा में ठोस पहल क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब वन संबंधी अड़चनों को दूर किया जाए। रविंद्र सौंद ने कहा कि सड़क के वन विभाग के अधीन रहने तक इसके इस्तेमाल को लेकर कई प्रतिबंध लागू रहेंगे। फॉरेस्ट रोड के नियमों के कारण सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच आवागमन और मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रभावित होगी। उन्होंने वाइल्डलाइफ एमेंडमेंट एक्ट 2006 के प्रावधानों के तहत सड़क को डिनोटिफाई कर एलिवेटेड मार्ग निर्माण का रास्ता खोलने की मांग की। नरेश धस्माना ने कहा कि क्षेत्र की जनता को अब यह समझना होगा कि अस्थायी समाधान से समस्या का स्थायी निस्तारण नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और जनप्रतिनिधि इस मुद्दे का पक्का समाधान करने के बजाय इसे राजनीतिक रूप से जीवित रखना चाहते हैं। धरने में हेमा नेगी, उम्मेद भंडारी, नरेंद्र, शिवचरण, कृपाल, जगत नेगी, गणेश, सीमा, दीपा, मधुसूदन और कल्पना समेत कई लोग मौजूद रहे।

चिल्लरखाल में एलिवेटेड मोटर मार्ग की मांग को लेकर धरना देते आंदोलनकारी।

स्टेशन का नाम डुंगरीपंथ धारी देवी रोलवे स्टेशन रखने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से प्रभावित डुंगरीपंथ के ग्रामीणों ने क्षेत्र में बनाए जा रहे रेलवे स्टेशन का नाम डुंगरीपंथ धारी देवी रेलवे स्टेशन पर रखने की मांग की। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री, जिलाधिकारी और सांसद को ज्ञापन भेजकर मांग पूरी करने की मांग उठाई। गरीपंथ विस्थापन समिति के अध्यक्ष मुकेश बहुगुणा, रोहन बहुगुणा, मनीष बहुगुणा, देवेंद्र, अंकित रावत, पंकज रावत, संदीप नेगी और शंकर राणा आदि ने कहा कि रेल परियोजना के तहत स्टेशन निर्माण और अन्य कार्यों के लिए डुंगरीपंथ गांव की 13 हेक्टेयर से अधिक भूमि अधिग्रहित की गई है। परियोजना से गांव के करीब 40 परिवार प्रभावित हुए हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन के नाम में डुंगरीपंथ गांव की पहचान भी होगी।

बंदरों की दहशत , परेशान ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः नगर में इन दिनों बंदरों की बढ़ती दहशत से आम जनता का जीना दूभर हो गया है। भागीरथी, अलकनंदा झूला पुल और श्री रघुनाथ मन्दिर की सीढ़ियों पर बंदरों का जमावड़ा लगा रहता है। यह बंदर आने–जाने वाले लोगों पर अचानक झपट रहे हैं। बंदर अक्सर स्कूली बच्चों के पीछे दौड़ पड़ते हैं। आए दिन बंदरों के काटने या हमले से कोई न कोई व्यक्ति घायल हो रहा है। स्थानीय व पूर्व वार्ड सदस्य विकास ध्यानी का कहना है वन विभाग को सूचित करने के बाद भी बंदरों को नहीं पकड़ा जा रहा है। वहीं रेंजर मदन रावत का कहना है कि नगरपालिका क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने का दायित्व नगरपालिका का है और यह कार्य वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क किनारे खुले इलाकों में बंदरों को उनकी टीम की ओर से कई बार पकड़ा गया है।

अगस्त क्रांति दिवस पर कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर रविवार को पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोटद्वार में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को याद कर श्रद्धांजलि दी गई।

झंडा चौक से शुरू हुई यात्रा स्टेशन रोड, उमानंद बड़थ्वाल मार्ग और तीलू रौतेली चौक से होते हुए वापस झंडा चौक पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता यात्रा में शामिल हुए।

भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से शहर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान के साथ राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों को हमेशा याद रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान को स्मरण करने के साथ ही युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। यात्रा में मीना बछवाण, संजय मित्तल, प्रवीण रावत, साबर सिंह, चंद्रमोहन खर्कवाल, सुधा असवाल, बीना देवी, बीना नेगी, आशा चौहान और लक्ष्मी नेगी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार में तिरंगा यात्रा निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता

माता–पिता, सद्गुरु और परमात्मा का आशीर्वाद जीवन में जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शिवपुर स्थित जगदीशपुरम में चल रही शिव महापुराण कथा के चौथे दिन आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने श्रद्धालुओं को जीवन में आशीर्वाद के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन के अलग-अलग पड़ाव पर माता-पिता, सद्गुरु और परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। इन तीनों का आशीर्वाद जीवन को सही दिशा देने के साथ सुखमय बनाने में सहायक होता है। कथा के दौरान उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य स्वरूप और उनके विवाह प्रसंग का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने हिमाचल राजा के घर कन्या के रूप में जन्म लिया था। नारद मुनि ने उनके भविष्य के बारे में बताते हुए कहा था कि पार्वती अत्यंत भाग्यशाली हैं और उनका विवाह त्याग एवं वैराग्य धारण करने वाले साधु स्वरूप पुरुष से होगा। शिव की प्राप्ति के लिए उन्हें कठोर तपस्या करनी होगी। आचार्य ने कहा कि मनुष्य के जीवन में माता–पिता और सद्गुरु का स्थान सर्वोच्च है। बचपन में माता-पिता बच्चे का पालन-पोषण कर उसे संस्कार देते हैं, जबकि युवावस्था में सद्गुरु अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। वृद्धावस्था में मनुष्य को परमात्मा का सहारा मिलता है। उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने माता–पिता और गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक कठोर तप किया। उनकी तपस्या और श्रद्धा के फलस्वरूप भगवान शंकर उनके पति बने। कथा के दौरान मोनिका गुसाईं, मंजू रावत, धनेश्वरी देवी, बबीता नेगी, सुनीता बिष्ट, वंदना रावत, सुमन बिष्ट, अंजू बिष्ट और आस्था रावत समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिवपुर में आयोजित शिव महापुराण कथा का श्रवण करते श्रद्धालु।

कांवड़ यात्रियों ने पुलिस से की अभद्रता

उत्तरकाशी। रविवार दोपहर को कुछ कांवड़ यात्रियों का गंगोत्री धाम में सड़क पर वाहन खड़े करने को लेकर पुलिसकर्मियों से विवाद हो गया। पुलिस जवानों ने कांवड़ यात्रियों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे मारपीट व बदसलूकी पर उतर आए। इसके बाद मौके पर हर्षिल थानाध्यक्ष फोर्स के साथ पहुंचे और तीन से चार कांवड़ यात्रियों पर हल्का बल प्रयोग कर चौकी ले जाकर उनका शांति भंग में चालान किया।

रविवार दोपहर को हरियाणा के कुछ कांवड़ यात्री गंगोत्री धाम में गंगाजल लेने पहुंचे थे। गंगोत्री बैरियर के पास उनकी ओर से वाहन पार्क करने पर वहां पर तैनात जवान ने दूसरी जगह गाड़ी पार्क करने को कहा। इस पर वह कांवड़ यात्री भड़क गए और पुलिसकर्मी से बदसलूकी और हाथापाई पर उतारू हो गए।

तोमर ने बताया कि अधिक भीड़ होने के कारण वाहन सड़क पर इधर–उधर खड़े करने पर जाम की स्थिति बन रही है। इस स्थिति से निपटने के लिए इन लोगों को भी सही स्थान पर वाहन लगाने के लिए कहा गया।

बाडिया में बड़े वाहनों की आवाजाही बहाल

बड़कोट। यमुनोत्री हाईवे पर बारिश के बीच राहत की खबर है। बाडिया गांव के नीचे यमुना नदी के कटाव से बाधित बड़े वाहनों की आवाजाही को निर्माण कार्य एजेंसी ने तीन दिन बाद दुरुस्त कर बहाल कर दिया है। हाईवे खुलने से यमुनोत्री धाम और आसपास के क्षेत्रों में आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को राहत मिली है। हालांकि सिलाई बैंड में अभी बड़े वाहनों की आवाजाही सुचारु नहीं हो पाई है। लगातार चट्टानी पत्थर गिरने और हाईवे क्षतिग्रस्त होने से करीब 10 मीटर हिस्सा संकरा हो गया है। इसके चलते बड़े वाहनों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। वहीं फूलचट्टी के पास सड़क धंसने से भी यातायात प्रभावित है। एनएच के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि निर्माण कार्य एजेंसी हाईवे के क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त करने में लगातार जुटी है।मौसम पिछले दो दिनों से अनुकूल रहने के कारण कई स्थानों पर सड़क को सुगम बनाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द हाईवे पर यातायात व्यवस्था सामान्य हो और यात्रियों को राहत मिल सके। मौसम अनुकूल रहा तो सिलाई बैंड में बड़े वाहनों की आवाजाही भी जल्द सुचारू कर दी जाएगी।

एक साल से मुआवजा राशि नहीं मिलने का आरोप

नंदानगर। विकासखंड के कुमजुग गांव के सिरोसार निवासी विरेंद्र लाल ने एक साल से आपदा राहत की मुआवजा राशि नहीं मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने इस संबंध में सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। विरेंद्र लाल का कहना है कि पिछले साल उनके आवासी मकान के नीचे से पुश्ता टूटने से मकान में दरार आ गई थी। पिछले साल ही पुश्ता निर्माण के संबंध में जिला आपदा अधिकारी को पत्र भेजा गया था लेकिन उन्हें न तो मुआवजा राशि मिली न ही पुश्ता बनाया गया। इस संबंध में सीएम पोर्टल पर भी शिकायत की। उसके बावजूद कोई हल नहीं निकला।

60 हजार कांवड़िये गंगोत्री-यमुनोत्री से ले गए जल

उत्तरकाशी। गंगोत्री–यमुनोत्री और गोमुख से रविवार शाम तक करीब साठ हजार कांवड़ यात्री गंगा व यमुना जल लेकर शिवालयों के लिए रवाना हो गए हैं। कांवड़ के अंतिम चरण में कांवड़ यात्रियों की अधिक भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने गंगोत्री यात्रा रूट व धाम में कैंप कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसपी कमलेश उपाध्याय ने पापड़गाड, भटवाड़ी भू–धंसाव प्रभावित स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के आदेश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से पुलिस एवं प्रशासन की ओर से निर्धारित यातायात, पार्किंग एवं बैरियर व्यवस्था का पालन करने, नदी घाटों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की। यात्रियों की सुरक्षा के लिए एसडीआरफ सहित जवानों की उचित संख्या को तैनात रखा जाए। यात्रा को सुरक्षित व सुचारु बनाए रखने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से लगातार निगरानी के निर्देश दिए। इस मौके पर सीओ जनक सिंह पंवार, प्रभारी निरीक्षक हर्षिल प्रदीप सिंह तोमर, प्रभारी निरीक्षक मनेरी दीपक नौटियाल, निरीक्षक यातायात सुनील कुमार, चौकी प्रभारी गंगोत्री प्रमोद उनियाल आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

लोकतंत्र और मर्यादा पर सवाल

लोकतंत्र में विरोध और असहमति व्यक्त करना प्रत्येक राजनीतिक दल का अधिकार है। किसी भी मुद्दे पर सरकार, प्रशासन या पुलिस के विरुद्ध अपनी बात रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। किंतु जब विरोध प्रदर्शन मर्यादा की सीमाओं को पार कर अभद्रता, धमकी या अनुशासनहीनता का रूप लेने लगे, तब यह लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का कार्य करता है।

नैनीताल में कांग्रेस पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय में घुसकर कथित रूप से अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर अनेक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि किसी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक दल को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर आपत्ति है, तो उसके लिए ज्ञापन, वार्ता, धरना–प्रदर्शन और न्यायिक प्रक्रिया जैसे अनेक लोकतांत्रिक माध्यम उपलब्ध हैं। लेकिन किसी सरकारी कार्यालय में जाकर अधिकारियों के साथ असम्मानजनक व्यवहार करना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि जनता के बीच भी गलत संदेश पहुंचाता है। पुलिस प्रशासन कानून–व्यवस्था बनाए रखने का कार्य करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस की निष्पक्षता और गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। राजनीतिक दलों को भी यह समझना चाहिए कि उनके कार्यकर्ताओं का आचरण समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत करता है। जब सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग नियमों और शिष्टाचार की अनदेखी करते हैं, तो आम नागरिकों में भी व्यवस्था के प्रति सम्मान कम होने लगता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रशासन जनता और राजनीतिक दलों की शिकायतों को गंभीरता से सुने तथा संवाद के माध्यम खुले रखे। कई बार संवादहीनता और अविश्वास के कारण तनावपूर्ण स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। इसलिए दोनों पक्षों को संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। नैनीताल की यह घटना राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का विषय है।

लोकतंत्र में संघर्ष और विरोध आवश्यक हैं, लेकिन उनका स्वरूप सभ्य, शांतिपूर्ण और संविधान सम्मत होना चाहिए। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनभावनाओं के बीच भी शालीनता और मर्यादा का पालन लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है। समाज और राज्य के हित में यही अपेक्षा की जाती है कि सभी पक्ष संवाद, संयम और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो सके। इस मुद्दे पर पुलिस के संगठनों ने भी आपत्ति व्यक्त की है और इस प्रकार की घटनाओं को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। हालांकि पुलिस प्रशासन को भी यह जरूर सोचना चाहिए था कि लोकतंत्र में किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल द्वारा बुलाया गया किसी आयोजन के लिए बिना कारण वाहनों को रुकना न्याय संगत और नीतिगत नहीं कहा जा सकता। निश्चित तौर पर यहां जनपद पुलिस किसी के किसी दबाव के तहत कार्य कर रही अन्यथा ऐसा कोई कारण नहीं था की रैली के लिए जा रहे वाहनों को रोक जाना चाहिए था। जिस प्रकार के राजनीतिक हालात देश और राज्यों में चल रहे हैं उसे उत्तराखंड भी अछूता नहीं है, और इस प्रकार की गतिविधियों से फिर वह चाहे किसी भी पक्षी द्वारा की गई हो उससे राजनीतिक सरगर्मियां बढ़नी स्वाभाविक ही है।

कांग्रेस की नई टीम में फिर बढ़ा कुनबा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बार बार प्रचारित यह किया जा रहा था कि इस बार कांग्रेस हाईकमान उत्तराखंड में सीमित पदाधिकारियों को लेकर अपनी टीम का गठन करेगी।कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने भी पूछने पर यही संकेत दिए थे, लेकिन अब जो कार्यकारिणी सामने आई है ,उसने संख्या बल के पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ दिए है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के नेताओं को तो जिम्मेदारी दी गई है,उनकी संख्या इतनी बढ़ा दी कि पद का ही महत्व कम हो गया है।प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में गोदावरी थपलियाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष, 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव और 107 नेताओं को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं के साथ कुछ युवा चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।वही भाजपा ने इसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया बताया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन कर दिया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कार्यकारिणी समिति, घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति के गठन की घोषणा की गई है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हों गई है।

प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ नेताओं गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गुरदीप सिंह सप्पल, काजी निजामुद्दीन, करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, भुवन चंद्र कापड़ी समेत 41 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष विधायक भुवन कापड़ी को बनाया गया है।समिति में डॉ.प्रेम बहुखंडी संयोजक बनाये गए है, जबकि गुरदीप सिंह सप्पल, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल सदस्य बनाए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की कमान विक्रम सिंह नेगी को सौंपी गई है। वहीं एसआईआर समिति के अध्यक्ष मनोज रावत होंगे। चार्जशीट समिति की अध्यक्षता पूर्व पीसीसी चीफ करन माहरा करेंगे, जबकि इस समिति में मनोज रावत, डॉ. प्रेम बहुखंडी और डॉ. प्रतिमा सिंह को सदस्य बनाया गया है।इतने बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति और टिकट बंटवारे व गुटबाजी को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

एसआईआर कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मनोज रावत के साथ ही कमेटी में अमरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट संदीप चमोली को सदस्य बनाया गया है। पीसीसी की नई कार्यकारिणी में जिन 24 नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।उनमें हेमश खर्कवाल, विजय सारस्वत, सूर्यकांत धस्माना, धीरेंद्र प्रताप, राजकुमार, मनोज रावत, सतीश नैनवाल, लालचंद शर्मा, सहरियार खान, सीपी सिंह, संजय पालीवाल, राजेंद्र पाल सिंह, सुखविंदर कौर, राजीव महर्षि, अनुपम शर्मा, हेमंत बगड़वाल, मधु सांगुरी, डॉ. प्रेम बहुखंडी और दर्शन लाल समेत अन्य नेता शामिल है। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी में 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें राजेंद्र भंडारी, नवीन जोशी, अभिषेक सिंह, विजय गुनसोला, तेलू राम, पुष्कर जैन, राकेश लाल शाह, दीप शर्मा, मकबूल कुरैशी, अमरजीत सिंह, याकूब सिद्दीकी, राजेंद्र शाह, जसवंत सिंह चौहान, सुमित्तर भुल्लर, अनीता शर्मा, जयेंद्र रमोला, संजय किरोला और राजेंद्र तंगरिया समेत अन्य नेता शामिल हैं।प्रदेश सचिव पद पर तो 107 नेताओं को विराजमान किया गया है,जिनके प्रदेश कार्यालय में बैठने की व्यवस्था करना भी टेढ़ी खीर होगा।सवाल यह भी है कि पदाधिकारी बने ये नेता क्या वास्तव में दम तोड़ चुकी कांग्रेस में प्राणवायु का संचार कर पाएंगे या फिर गाड़ियों पर पदों की पट्टी लगाकर सिर्फ रोब गालिब करेंगे।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक व वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं।

विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहासः-

विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है।

जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रमः-

भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

जैव-ईंधन और संभावनाएंः-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है। किसानों के लिए यह केवल फसल पैदा करने तक सीमित आय का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से अतिरिक्त आर्थिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर भी बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में जैव-ईंधन की भूमिकाः-

जैव ईंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टिकाऊ तरीके से उत्पादित जैव ईंधन जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जीवन-चक्र के आधार पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। साथ ही कृषि और जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में होने से खुले में कचरा तथा कृषि अवशेष जलाने की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जैव ईंधन को हर परिस्थिति में पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल मानना उचित नहीं होगा। यदि जैव ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों, भूमि और जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो इससे खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग और जैव विविधता से जुड़ी नई चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग, जैव विविधता और जीवन-चक्र उत्सर्जन को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ तरीके से जैव ईंधन का उत्पादन और उपयोग करना आवश्यक है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और अन्य जैविक संसाधनों से ऊर्जा तैयार करना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से कच्चे तेल के आयात में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी जैसे लाभ भी सामने आए हैं। इस प्रकार जैव ईंधन केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है।

निष्कर्षः-

अंत में यह कहना उचित होगा कि जैव ईंधन केवल पेट्रोल और डीजल का विकल्प नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण, कचरा प्रबंधन, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए इसकी संभावनाएँ और भी व्यापक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जैव ईंधन के उत्पादन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा कृषि अवशेषों और जैविक कचरे का अधिक से अधिक उपयोग ऊर्जा उत्पादन में किया जाए। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। इसलिए जैव ईंधन केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

विनोद सिंह 'तकियावाला

वर्तमान मानसून सत्र के शेष दिनों को इसलिए टकराव के बजाय संवाद का अवसर बनाया जाना चाहिए। सरकार को अपनी विधायी प्राथमिकताओं पर विपक्ष को विश्वास में लेना चाहिए। विपक्ष को भी अपनी राजनीतिक असहमति को संसदीय बहस में बदलना चाहिए। सदन की गरिमा केवल आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष से नहीं बनती। वह प्रत्येक सांसद के आचरण से बनती है।

सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है।

भारतीय लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं है। संसद वह सर्वोच्च मंच है जहाँ देश की जनता की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ,असहमति और समस्याएँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। दोनों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है। वर्तमान मानसून सत्र की तस्वीर इस लोकतांत्रिक भावना के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन की कार्यवाही में व्यवधान के कारण अपेक्षित गंभीर चर्चा से दूर रह गए हैं। सत्र के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यह सत्र संसदीय इतिहास में विधायी कार्यों के साथ हंगामे और गतिरोध के लिए भी याद किया जा सकता है। संसद में संख्या बल की अपनी वास्तविकता है। सरकार के पास बहुमत है तो उसे कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। विपक्ष के पास संख्या कम है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी आवाज का महत्व कम हो गया। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बनाता है। विपक्ष सरकार को आईना दिखाता है। दोनों की भूमिकाएँ अलग हैं। दोनों की जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसी संसदीय वातावरण में 2029 के आम चुनाव से पहले परिसीमन का प्रश्न देश की राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह केवल लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। इसके साथ देश के संघीय ढाँचे, राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व,जनसंख्या नियंत्रण और महिला आरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं।

इस वर्ष केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटों का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व के पुनर्संयोजन के साथ महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को प्रभावी बनाने की संवैधानिक राह तैयार करना भी था। मगर इस प्रस्ताव को आवश्यक राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत प्राप्त नहीं कर पाया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे जुड़ी परिसीमन संबंधी प्रक्रिया भी उसी समय रुक गई। इसलिए वर्तमान स्थिति में 850 सदस्यीय लोकसभा की कोई अंतिम और लागू व्यवस्था नहीं है। 2029 के चुनाव से पहले यदि इस दिशा में कोई नया संवैधानिक प्रयास होता है तो उसे संसद की निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक सहमति से गुजरना होगा।

यहीं से परिसीमन का वास्तविक प्रश्न शुरू होता है। भारत में जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वाभाविक दिखाई देता है। मगर भारत जैसे विशाल और विविध देश में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर प्रतिनिधित्व तय करना अपने साथ कई दूसरे प्रश्न भी खड़े करता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन राज्यों की चिंता है कि यदि भविष्य में सीटों का पुनर्विन्यास केवल जनसंख्या के आधार पर होता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की अपनी दलील है। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में जनसंख्या का उचित प्रतिबिंब होना चाहिए। यही वह संतुलन है जिसे साधना आसान नहीं है। यदि किसी राज्य ने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना चाहिए। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को उनके वास्तविक जनसंख्या भार के अनुरूप प्रतिनिधित्व से वंचित रखना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्थायी समाधान नहीं हो सकता। समाधान दोनों के बीच संतुलन में ही संभव है। इसीलिए परिसीमन का प्रश्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक मतभेद से कहीं बड़ा है। यह भारतीय संघीय व्यवस्था की संवेदनशील परीक्षा है। तमिलनाडु, केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को उत्तर प्रदेश,बिहार और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता के साथ संतुलित करना होगा। डीएमके, समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्तियों को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उनके पीछे मौजूद संघीय चिंता को समझना होगा। महिला आरक्षण भी इसी विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की क्षमता रखता है। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने पहले ही यह प्रमाणित किया है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए परिसीमन से जुड़ी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। इसलिए सीटों के पुनर्विन्यास और महिला प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। यह काम जल्दबाजी में नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक संवाद के माध्यम से होना चाहिए। इसी मानसून सत्र में विदेशी अंशदान से संबंधित विधायी प्रस्ताव भी चर्चा का विषय है। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 का उद्देश्य विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही और निगरानी को मजबूत करना है। पंजीकरण समाप्त होने या प्रमाणपत्र रद्द होने की स्थिति में विदेशी अंशदान से अर्जित धन और उससे निर्मित संपत्तियों के प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। विदेशी धन का पारदर्शी उपयोग किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए महत्वपूर्ण विषय है। भारत में बड़ी संख्या में सामाजिक,शैक्षणिक, धार्मिक और जनसेवी संस्थाएँ विदेशी अंशदान प्राप्त करती हैं। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि विदेशी धन का दुरुपयोग न हो और राष्ट्रीय हित प्रभावित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वैध और जनहितकारी संस्थाओं के कामकाज में अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएँ उत्पन्न न हों। प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन में विदेशी अंशदान संबंधी उल्लंघनों के लिए कारावास की अधिकतम अवधि को पाँच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव भी शामिल है। आर्थिक दंड की व्यवस्था बनी रहेगी। पंजीकरण निलंबित या रद्द होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं की परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर भी प्रावधान प्रस्तावित हैं। इन प्रावधानों पर संसद में व्यापक चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि कानून कठोर होने के साथ निष्पक्ष और स्पष्ट भी रहे।

परिसीमन और एफसीआरए दोनों विषय अपनी प्रकृति में अलग हैं। एक देश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन से जुड़ा है। दूसरा विदेशी धन के नियमन और संस्थागत जवाबदेही से। दोनों में एक बात समान है। दोनों विषयों पर संसद में गंभीर बहस की आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि लगातार हो रहे व्यवधानों के कारण ऐसी बहस का अवसर सीमित होता जा रहा है। विपक्ष को सरकार से प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है। गंभीर आरोपों पर जवाब माँगना भी उसका दायित्व है। सरकार को विपक्ष की आपत्तियों का उत्तर देना चाहिए। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा के लिए समय देना चाहिए। मगर विरोध और व्यवधान के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है। संसद को रोक देना किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक विजय नहीं हो सकती। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए भेजती है कि वे उसकी आवाज उठाएँ और देश के भविष्य से जुड़े कानूनों पर विचार करें। सदन की कार्यवाही बाधित होने का अर्थ है कि जनता से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा का अवसर समाप्त हो जाना। सत्ता पक्ष को भी संख्या बल का अहंकार लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। बहुमत सरकार को कानून बनाने की शक्ति देता है। बहुमत सरकार को संवाद से मुक्त नहीं करता। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संख्या में कम होने के बावजूद उसकी राजनीतिक शक्ति तर्क,तथ्य और जनहित के मुद्दों से बढ़ सकती है। संसद में मजबूत विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं है। मजबूत विपक्ष वह है जो सरकार से सवाल भी करे और वैकल्पिक दृष्टि भी प्रस्तुत करे। 2029 का आम चुनाव अभी सामने नहीं है। उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अवश्य तैयार होने लगी है। परिसीमन का प्रश्न आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। महिला आरक्षण,जनसंख्या नियंत्रण और राज्यों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन साधना राजनीतिक नेतृत्व की गंभीर परीक्षा होगी। भारत की विविधता को देखते हुए किसी भी संवैधानिक बदलाव को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जा सकता। उत्तर और दक्षिण भारत की अलग-अलग जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ हैं। राज्यों की अपनी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। छोटे राज्यों की अपनी चिंताएँ हैं। महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अपना महत्व है। इन सभी को एक साथ लेकर चलना ही भारतीय संघवाद की वास्तविक भावना है। इसीलिए परिसीमन का समाधान टकराव में नहीं बल्कि सहमति में तलाशना होगा। संसद में दो- तिहाई बहुमत की संवैधानिक आवश्यकता केवल संख्या का गणित नहीं है। इसके पीछे यह भावना है कि संविधान में बड़े बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति के साथ ही किए जाएँ।

भूस्खलन से पैदल मार्ग ध्वस्त

कर्णप्रयाग। थराली के बुरसोल गांव के कारगुली तोक से प्रांत तक जाने वाला पैदल मार्ग भूस्खलन से करीब 100 मीटर तक ध्वस्त हो गया है। ऐसे में प्रांत में अपनी गाय, भैंसों के साथ रहने वाले 80 से अधिक लोग अब वहीं फंसे हुए हैं। यहां के ग्रामीण अपने परिवार के सदस्यों के साथ छह माह के लिए प्रांत में छानियों में रहकर पशुओं को चराते हैं जिनमें से हर रोज परिवार के कुछ सदस्य दूध निकालकर शाम को अपने घरों को आ जाते हैं। बाकी बचे हुए सदस्य वहीं छानियों में ही रहते हैं। ऐसे में अब दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही भी बंद हो गई है।

तहसील थराली के सोल पट्टी के बुरसोल गांव के ग्रामीण की आजीविका अधिकतर खेती बाड़ी और पशुओं पर निर्भर है। यहां के ग्रामीण मानसून के सीजन में प्रांत में अपने पशुओं को लेकर चले जाते हैं। बीते शनिवार रात्रि को हुई बारिश के कारण कारगुली तोक में भूस्खलन होने से करीब 100 मीटर तक पैदल मार्ग ध्वस्त हो गया। बुरसोल के ग्राम प्रधान दिनेश फर्रस्वाण, सामाजिक कार्यकर्ता धर्म सिंह फर्रस्वाण, दिलबर सिंह फर्रस्वाण, ममंद अध्यक्ष गोविंदी देवी ने कहा कि पैदल रास्ता बंद होने से अब प्रांत में रहने वाले लोगों के लिए खाद्यान्न का संकट पैदा हो जाएगा। वैकल्पिक मार्ग कोलपुड़ी से है लेकिन उसमें दो घंटे से अधिक का समय लगेगा। उपजिलाधिकारी यशवीर रावत ने बताया कि मंगलवार को पैदल मार्ग के निरीक्षण के लिए अधिकारी भेजे जाएंगे। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों की हरसंभव मदद की जाएगी।

डॉ. जय प्रकाश आर्य ने राज्य स्तरीय शूटिंग में जीता रजत

नंदासैंण। उत्तराखंड राइफल एसोसिएशन की ओर से देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय नंदासैंण के असिस्टेंट प्रोफेसर जय प्रकाश आर्य ने रजत पदक जीता। डॉ. जय प्रकाश आर्य शैक्षणिक कार्य के अतिरिक्त शूटिंग में भी रूचि रखते हैं और इससे पहले भी उन्होंने चार बार राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य अमर चंद विश्वकर्मा ने बताया कि डॉ. आर्य अब नार्थ जोन शूटिंग प्रतियोगिता में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. बीएन खाली ने डॉ. जय प्रकाश आर्य को शुभकामनाएं दीं।

आर्मी मेजर समेत 10 से 15 जवानों पर मुकदमा दर्ज

चमोली। बदरीनाथ में घस्तोली तिराहे पर पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट के आरोप में आर्मी मेजर समेत 10 से 15 अन्य जवानों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार शाम करीब पौने छह बजे की है। मामले में कोतवाली बदरीनाथ में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बदरीनाथ कोतवाली में तैनात कांस्टेबल विजय सिंह की ओर से पुलिस को दी तहरीर के अनुसार आर्मी मेजर अनमोल प्रीत और 10 से 15 अन्य आर्मी जवानों ने कथित तौर पर मारपीट की।

आरोप है कि मेजर अनमोल प्रीत नशे की हालत में थे। इस दौरान जवानों ने कांस्टेबल विजय सिंह और होमगार्ड दिनेश के साथ लाठी–डंडों से मारपीट की तथा उनकी वर्दी फाड़ दी। मारपीट में दोनों के गंभीर रूप से घायल होने की बात कही गई है।

मामले की विवेचना उप निरीक्षक प्रकाश बिष्ट को सौंपी गई है। पुलिस ने मारपीट, दंगा, गलत तरीके से रोकने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मेजर सहित अन्य जवानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

कैन लगाई बाडुली... समेत कई गीतों पर दी शानदार प्रस्तुति

कर्णप्रयाग। बेनीताल में शहीद बाबा मोहन उत्तराखंडी की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय शहीद स्मृति मेले का शुभारंभ हुआ। मेले के पहले दिन विभिन्न ममंद और सांस्कृतिक टीमों ने कैन लगाई बाडुली... समेत कई गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। पहले दिन मेला कमेटी की ओर से विभिन्न लोगों को सम्मानित भी किया गया।

रविवार सुबह शहीद बाबा मोहन उत्तराखंडी के स्मारक पर लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। मेले का शुभारंभ विधायक अनिल नौटियाल ने किया। संस्कृति विभाग की ओर से मां नंदा सुनंदा की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मेले में ममंद मालसी, तोप, एरवाड़ी, घड़ियाल, सिमतोली आदि की ओर से गढ़वाली और कुमाउनी गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ममंद की ओर से हो लाली हो, लाली होसिया, पधानु बोला तिले धारु बोला..., कैन लगाई बाडुली... आदि गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि शहीद बाबा उत्तराखंडी का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। मेले में कांग्रेस प्रदेश महामंत्री हरिकृष्ण भट्ट, मेलाध्यक्ष मदन बिष्ट, सचिव वीरेंद्र सिंह मिंगवाल, अनिल कोटियाल, जीतेंद्र कुमार, हरिराम आदि लोग मौजूद रहे।

तीलू रौतेली की वीरता और संघर्ष से प्रेरणा लें युवा : चंद्रकला तिवारी

गोपेश्वर। बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति की ओर से वीरांगना तीलू रौतेली की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं के बीच वाचन और चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। विद्यार्थियों ने तीलू रौतेली के जीवन, साहस और वीरता को अपनी प्रस्तुतियों और चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया।

मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चंद्रकला तिवारी ने कहा कि वीरांगना तीलू रौतेली उत्तराखंड की वीरता, साहस और नारी शक्ति की प्रतीक हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में जिस अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया वह आज की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ ही आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनना चाहिए। तीलू रौतेली के जीवन से हमें चुनौतियों का डटकर सामना करने की सीख मिलती है।

मोलधार इंटर कॉलेज के विलय का अभिभावकों ने किया विरोध

नई टिहरी। राजकीय इंटर कॉलेज मोलधार में अभिभावक–शिक्षक संघ की बैठक में कलस्टर योजना के तहत विद्यालय को दूसरे विद्यालय में मर्ज किए जाने की चर्चा पर अभिभावकों ने कड़ा विरोध जताया। अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय को मर्ज किया गया तो वे आंदोलन शुरू करने को मजबूर होंगे। कहा वे अपने बच्चों को मोलधार से अन्यत्र किसी विद्यालय में नहीं भेजेंगे।

बैठक में अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय को मर्ज करने के बजाय यहां पठन–पाठन और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर किया जाना चाहिए। विद्यालय के भविष्य को लेकर अभिभावकों ने एकजुट होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। कहा विद्यालय को दूसरे विद्यालय में मर्ज किए जाने से छात्र–छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बैठक में अभिभावक–शिक्षक संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें चिरंजीलाल डबराल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। प्रधानाचार्य विजय सिंह कैंतुरा पदेन उपाध्यक्ष, जबकि देवेंद्र सिंह बर्त्वाल को सचिव और नसीम बेग को सदस्य चुना गया। नीतू विश्वकर्मा को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल स्मृति समारोह 20 को

अगस्त्यमुनि। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज में 20 अगस्त को हिमवंत कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल स्मृति समारोह एवं राज्य आंदोलनकारी स्व. अवतार सिंह राणा स्मृति समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को लेकर कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल स्मृति संस्थान की बैठक संस्थान अध्यक्ष हरीश गुसाईं की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने बताया कि समारोह में कविता पाठ, कविता पोस्टर प्रतियोगिता और साहित्य प्रश्नोत्तरी का आयोजन होगा। बच्चों के प्रोत्साहन के लिए रिन्यू पावर संस्था सहयोग कर रही है। मुख्य अतिथि केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी नीलकंठ भट्ट और अध्यक्षता शिक्षाविद चंद्रशेखर बेंजवाल करेंगे। बैठक में उपाध्यक्ष गिरीश बेंजवाल, अनुसूया प्रसाद मलासी, गंगाराम सकलानी, कुसुम भट्ट, दीपेंद्र बिष्ट, दीपक बेंजवाल और कालिका कांडपाल मौजूद रहे।

सावन में ब्रह्म कमल से खिली केदारपुरी

रूद्रप्रयाग। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को अर्पित ब्रह्म कमल को प्रसाद के रूप में प्राप्त करने से मनोकामना पूरी होती है। ब्रह्म कमल राज्य पुष्प होने के साथ विभिन्न औषधि गुणों से संपन्न माना जाता है। हिमालय के बुग्यालों में खिले ब्रह्म कमल से प्रकृति और केदारपुरी की शोभा भव्य बनी है।

हिमालय में स्थित केदारपुरी सावन मास में ब्रह्म कमल के पुष्पों की सुगंध से हर भक्त को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। यहां चोराबाड़ी ताल, बासुकीताल व ऊपरी बुग्यालों में यह पुष्प खिला है। यह राज्य पुष्प भगवान शिव का अति प्रिय पुष्प माना जाता है। सावन मास में यह अधिक संख्या में खिलता है। तुंगनाथ, मद्महेश्वर में इन दिनों भक्त भगवान शिव को इस पुष्प को अर्पित करते है। ब्रह्मा कमल लाने के लिए लोग नंगे पांव इन क्षेत्रों में पहुंचते और इसे तोड़कर लाते हैं। तब भगवान शिव को अर्पित करते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को अर्पित ब्रह्म कमल को प्रसाद के रूप में प्राप्त करने से मनोकामना पूरी होती है। ब्रह्म कमल राज्य पुष्प होने के साथ विभिन्न औषधि गुणों से संपन्न माना जाता है। हिमालय के बुग्यालों में खिले ब्रह्म कमल से प्रकृति और केदारपुरी की शोभा भव्य बनी है। केदारनाथ के तीर्थ पुरोहित उमेश पोस्ती बताते है कि सावन माह में ब्रह्म कमल अर्पित कर शिव अर्चना से सुख और पुण्य मिलता है। उन्होंने कहा सावन मास में भगवान शिव को अर्पित पुष्प वे अपने यजमानों को भी भेजते है, जो एक पुरानी धार्मिक परंपरा।

गुलदार के हमले में 16 वर्षीय किशोर घायल

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर ब्लॉक के रौणद रमोली पट्टी के भरपूर गांव में रविवार सुबह घर से महज 10 मीटर दूर गुलदार ने 16 वर्षीय किशोर पर हमला कर दिया। किशोर के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे जिससे गुलदार भाग गया। हमले में घायल बालक को परिजन तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौंड ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है।

भरपूर निवासी शिव सिंह कलूड़ा का बेटा नैतिक (16) सुबह करीब 8.30 बजे गाय को जंगल में चराने ले जा रहा था। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक उस पर हमला कर दिया। गुलदार के हमले में नैतिक की पीठ, हाथ और घुटने पर नाखून के निशान मिले हैं।

अगस्त क्रांति दिवस पर जखोली में निकाली तिरंगा यात्रा

रुद्रप्रयाग। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर ब्लॉक जखोली में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को नमन किया।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रभक्ति एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने और राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही जखोली मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाने तथा आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, वाचस्पति सेमवाल, मंडल अध्यक्ष मेहरवान सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य नीता बुटोला आदि उपस्थित रहे।

संघर्ष समिति ने लोगों से मांगा समर्थन

नई टिहरी। टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क में जन जागरण सत्याग्रह धरना आठवें दिन जारी भी रहा। वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने बौराड़ी के सेक्टर 5ए में बैठक कर लोगों से समर्थन मांगा।

श्रीदेव सुमन पार्क में जन जागरण सत्याग्रह धरने पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट ने कहा कि जब तक सरकार मेडिकल कॉलेज निर्माण की घोषणा नहीं कर देती है, उनका सत्याग्रह जारी रहेगा। कहा कि टिहरी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव होने के चलते लोगों को समुचित उपचार नहीं मिल पाता है। जिला अस्पताल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर लोगों में पिछले साढ़े चार साल से असमंजस बना है।

सरकार को लोगों की भवानो को देखते शीघ्र कॉलेज निर्माण की घोषणा करें। इधर मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने बताया कि समिति से जुड़े लोग लगातार नगर के विभिन्न स्थानों पर में बैठक कर लोगों से जन समर्थन जुटाने में लगे हैं। बताया जल्द मामले में मुख्यमंत्री से वार्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। 15 अगस्त तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं होता है तो 16 अगस्त से समिति धरना–प्रदर्शन और रैली के माध्यम से सरकार को जगाने का काम करेगी।

सीएमओ ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं और निर्माण कार्यों का जायजा

घनसाली (टिहरी)। नवनियुक्त सीएमओ डॉ. राम प्रकाश ने विभिन्न अस्पतालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलेश्वर, पिलखी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नंदगांव का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। सीएचसी बलेश्वर में निरीक्षण के दौरान लैब, अस्पताल परिसर, आवास, ओपीडी, इमरजेंसी आदि व्यवस्था का निरीक्षण किया। उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, भवन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। वहीं सीएचसी पिलखी में निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था के एई मनोज, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. उषा भट्ट ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने तय समय से कार्य पूरा करने को कहा। पीएचसी नंदगांव के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई।

शिविर में 53 की हुई जांच

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय दृष्टिबाधिता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक अगस्त्युनि के चोपड़ा में आयोजित निशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 53 लोगों के आंखों की जांच की गई। अगला निशुल्क मोतियाबिंद शिविर 12 अगस्त को श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम गुप्तकाशी में होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल के निर्देशन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपड़ा में आयोजित शिविर में विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून की स्वास्थ्य टीम ने 53 लोगों की जांच की। नौ ग्रामीण मोतियाबिंद से ग्रसित मिले और 50 लोगों को दवा वितरित की गई। इन लोगों का देहरादून स्थित विवेकानंद नेत्रालय में निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इस अवसर पर दृष्टिमितिज्ञ हनुमंत सिंह, फार्मासिस्ट राकेश सिंह, अनूप पंवार आदि शामिल थे। शिविर में एनएस रावत, आशा कार्यकर्ता शशि देवी और रोशनी देवी ने सहयोग किया।

चोपड़ा–भट्टगांव मोटर मार्ग बदहाल

अगस्त्यमुनि। विकासखंड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत स्वरगढ़ से क्यर्क तक जाने वाला करीब सात किलोमीटर लंबा चोपड़ा–भट्टगांव मोटर मार्ग बदहाल स्थिति में है। सड़क पर बने गड्ढे और उखड़े डामर से दुर्घटनाओं की आशंका बनी है।

नीरज भट्ट ने बताया कि यह मार्ग कार्तिक स्वामी मंदिर, तुंगेश्वर मंदिर और फलासी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण वैकल्पिक व सबसे छोटा रास्ता है लेकिन जर्जर मार्ग के कारण सफर चुनौतीपूर्ण बना है। हिमांशु भट्ट के अनुसार छात्र पढ़ाई के लिए अगस्त्यमुनि आते हैं और मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ता है। मगर बदहाल मार्ग के कारण हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्राम प्रधान सोनम देवी ने बताया कि सड़क के डामरीकरण और मरम्मत के लिए कई बार शासन–प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उधर पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता योगेश चंद्र कोटियाल ने बताया कि सितंबर माह तक सड़क के डामरीकरण की डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी जाएगी और स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

मां भगवती कालीमाई कालीमठ की यात्रा 23 से

गुप्तकाशी। मां भगवती कालीमाई कालीमठ की ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम यात्रा के द्वितीय चरण का मुहूर्त घोषित कर दिया गया है। यात्रा 23 अगस्त से शुरू होगी और केदारनाथ यात्रा मार्ग के निकटवर्ती गांवों में होगी। यात्रा की तिथि की घोषणा कालीमठ स्थित लक्ष्मी मंदिर प्रांगण में आयोजित कालीमाई पंचगांई समिति की आम बैठक में की गई।

बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष लखपत सिंह राणा ने की। संचालन समिति के महामंत्री सुरेशानंद गौड़ ने किया। बैठक में हकहकूकधारी ब्रह्मा एवं आचार्य ने पुजारियों की उपस्थिति में यात्रा तिथि की विधिवत घोषणा की। बैंकट रमण सेमवाल एवं भगवती प्रसाद देवशाली ने बताया कि मां कालीमाई की यह यात्रा क्षेत्र की आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने सभी से यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में परमानंद गौड़, कोषाध्यक्ष पुष्कर सिंह राणा, बीकेटीसी अधिकारी डीएस भुजवाण सहित पंचगांई के ग्रामीण, हकहकूकधारी उपस्थित रहे।

मां महिष मर्दिनी की देवरा यात्रा शुरू

फाटा। नौजुला मैखंडा की आराध्य मां महिष मर्दिनी की देवरा यात्रा शुरू हो गई है। माता की उत्सव डोली क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए केदारनाथ व गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम की यात्रा पर जाएगी।

रविवार को प्रात विद्वान आचार्यों एवं पुजारियों ने वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजा–अर्चना की। करीब साढ़े ग्यारह बजे के बाद माता की उत्सव डोली मंदिर सभामंडप से बाहर निकली व मंदिर की परिक्रमा की। इस दौरान देव पश्वाओं ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। परिक्रमा के दौरान माता की डोली अपने प्राचीन पौराणिक झूले तक पहुंची। तब माता को मंदिर परिसर में अर्घ लगाया गया। पूजन के बाद माता की डोली थाती मैखंडा में रात्रि विश्राम करेगी। मंदिर पुजारी ओम प्रकाश सेमवाल ने बताया कि विगत दो दिनों से माता की विशेष पूजाएं की गईं। सोमवार को माता की डोली पहले यात्रा पड़ाव खडिया ग्राम के लिए प्रस्थान करेगी। देवरा यात्रा के शुभारंभ अवसर पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी, देवरा यात्रा समिति अध्यक्ष दर्शन सिंह गुसाई, मंदिर प्रवीण सेमवाल आदि मौजूद थे।

खरगे ने विजय शंखनाद रैली से फूंका चुनावी बिगुल

हल्द्वानी। कुमाऊं के सबसे बड़े राजनीतिक और आर्थिक केंद्र से कांग्रेस ने चुनावी अभियान को धार देने की कोशिश की है। विजय शंखनाद रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 46 मिनट के भाषण में उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की पटकथा रख दी। अध्यक्ष ने भाषण में किसी एक मुद्दे पर फोकस करने के बजाय उन मुद्दों को एक साथ पिरोया, जो सीधे युवा, किसान, महिला, सैनिक और गरीब परिवारों से जुड़े हैं। यही नहीं जाते जाते खरगे दुष्यंत कुमार की कविता से प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का संकेत भी दे गए।

यह थे खरगे के चुनावी मुद्दे

बेरोजगारी- बेरोजगारी और भर्ती के माध्यम से खरगे ने युवाओं को कांग्रेस के चुनावी एजेंडे के केंद्र में रखा। रिक्त पड़े सरकारी पद, भर्ती में भ्रष्टाचार और पेपर लीक को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। आह्वान किया कि युवा कांग्रेस के साथ आएं। कांग्रेस उनके हित में काम करेगी।

भ्रष्टाचार- भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वाशिंग मशीन वाला तंज कसा। यह उन नेताओं की तरफ इशारा था जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए। इस मुद्दे के जरिए कांग्रेस ने भाजपा शासित राज्यों में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को चुनौती देने की कोशिश की।

सैनिक- खरगे ने अपने भाषण की शुरुआत ही देवभूमि और वीरभूमि को सम्मान देते हुए की। कुमाऊं और गढ़वाल रेजिमेंट की तारीफ करते हुए संदेश दिया कि सैनिकों और सैन्य परिवारों वाले राज्य में अग्निवीर योजना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकती है।

महिला सुरक्षा- राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महिला सुरक्षा और अंकिता भंडारी प्रकरण का जिक्र कर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस ने साफ संकेत दिया कि महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बनाया जाएगा।

डबल इंजन की खामियां

– खरगे ने भाजपा के डबल इंजन की खामियां गिनाते हुए पार्टी के इस नारे पर सवाल उठाया। उन्होंने कांग्रेस का मॉडल सामने रखा। उन्होंने रोजगार, बेहतर शिक्षा–स्वास्थ्य, किसानों का सम्मान, महिलाओं की सुरक्षा और सैनिकों को सम्मान देने की बात कही।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

अध्ययन: पक्षियों में 8वां सुर...1.16 लाख आवाजों के डाटा से वैज्ञानिकों ने खोला राज

पेरिस, एजेंसी। कोयल की सुरीली आवाज हर किसी का मन मोह लेती है। दुनियाभर में पक्षियों की ऐसी हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं जिनकी आवाज एकदम संगीतमय होती है। आखिर, इनके गीत कैसे बनते हैं? हाल ही में एक नए अध्ययन में पता चला कि संगीत के सात सुरों की तरह पक्षियों के गाने मूलतः आठ प्रकार की ध्वनियों पर केंद्रित होते हैं। वैज्ञानिकों ने यह शोध दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों की 3,000 से अधिक सॉन्गबर्ड यानी पैसिरीन प्रजाति के पक्षियों पर किया जो, कुल पक्षी प्रजातियों का 60ब हिस्सा हैं। साइंस मैगजीन में प्रकाशित यह दिलचस्प अध्ययन ने पक्षियों की आवाज से जुड़े और राज भी खोलता है। जैसे कैसे समय के साथ इन सुरों में बदलाव आया। अध्ययन बताता है कि बुनियादी ध्वनियां करोड़ों वर्ष पहले शुरुआती पूर्वजों के समय ही विकसित हो गई थीं और 82ब पैसिरीन पक्षियों के वंश के विकसित होने के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहीं। शोध मुख्य रूप से फ्रांस के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया, जिसमें सेंट-एटिफ यूनिवर्सिटी और मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शामिल थे। हालांकि, इसके लिए किसी लैब या क्षेत्र में पक्षियों के गाने को रिकॉर्ड नहीं किया है। बल्कि कम्युनिटी साइंस डाटाबेस का इस्तेमाल कर दुनियाभर के 3,160 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के 1,16,000 से ज्यादा गानों का डिजिटल डाटा जुटाया गया व उसका विश्लेषण किया।

सर्बिया पहुंचे जेलेंस्की, पहली आधिकारिक यात्रा में वुसिच से मुलाकात

सर्बिया, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर सर्बिया पहुंचे। सर्बिया उन चुनिंदा यूरोपीय देशों में शामिल है, जिनके रूस के साथ अब भी दोस्ताना संबंध हैं, जबकि रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। जेलेंस्की ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर सर्बिया पहुंचने की पुष्टि की। इससे पहले सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच के कार्यालय ने गुरुवार देर रात उनकी यात्रा की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार और शनिवार को महत्वपूर्ण बातचीत होनी है। उन्होंने बताया कि वह वुसिच और सर्बिया के प्रधानमंत्री ज्यूरो मैकुट से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की के मुताबिक, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को विस्तार देने, यूरोपीय संघ के साथ संबंधों और उन क्षेत्रों पर चर्चा होगी, जहां दोनों देशों के लोगों के हित में व्यावहारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा होंगे। जेलेंस्की की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वुसिच रूस के साथ सर्बिया के पारंपरिक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ अपनी विदेश नीति को करीब लाने के दबाव के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। वुसिच ने यूक्रेन के मुद्दे पर रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने इसके लिए दोनों स्लाव देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों का हवाला दिया है।

अमेरिका में भरे गए महीनों से खाली दर्जनों पद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित दर्जनों सरकारी पदों पर नियुक्तियों को स्वीकृति दे दी। इनमें कई महत्वपूर्ण दूतावास और विदेश विभाग के शीर्ष पद शामिल हैं जो विगत कई महीनों से खाली थे। सीनेट ने 74 नामांकनों की सूची को 51 के मुकाबले 47 मतों से मंजूरी दी। राजदूतों, राजनयिकों की नियुक्तियों को लेकर सीनेट में यह मतदान पार्टी लाइनों के साथ हुआ। दरअसल, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा नियुक्त दर्जनों कॅरिअर राजनयिकों को वापस बुला लिया था। इससे 100 से अधिक राजदूत पद खाली हो गए थे। पश्चिम एशिया से जुड़ी नियुक्ति, ऑस्ट्रेलिया का भी जिक्र जिन देशों में पद खाली थे या जहां नए लोगों को पदभार सौंपे गए हैं, इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और ब्राजील सहित 11 विदेशी राष्ट्रों के राजदूत शामिल हैं। पांच लोगों को राजदूत-रैंक के पदों के लिए नामित किया गया है। छह सहायक विदेश सचिव भी नामित किए गए हैं। इनमें पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), यूरोप और पश्चिमी गोलार्ध के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं। डेविड ब्रैट ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और माइकल कावुकजियन नॉर्वे के राजदूत के रूप में पुष्टि किए गए हैं। फ्लोरिडा के राजनेता डैनियल पेरेज़ को ब्राजील में राजदूत नियुक्त करने में जटिलता है। ब्राजील सरकार ने वाशिंगटन के साथ राजनयिक विवाद के बीच पेरेज़ को औपचारिक मंजूरी रोक दी है। अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइज़ा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है।

यूटा में जंगल की आग बुझाने में लगा हेलीकॉप्टर क्रैश, दो लोग लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पश्चिमी राज्यों के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान दो बड़े हादसे सामने आए हैं। यूटा के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटा एक भारी-भरकम हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो लोग सवार थे। वहीं, ओरेगन में भड़की अनियंत्रित आग को बुझाने के अभियान के दौरान एक बुलडोजर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यूटा में क्रैश हुए हेलीकॉप्टर के मलबे तक तत्काल पहुंचना बेहद मुश्किल होने के कारण उसमें सवार दोनों लोगों की स्थिति के बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है।

ओरेगन में बुलडोजर ऑपरेटर की मौत : ओरेगन में आग बुझाने के अभियान के दौरान, गुरुवार को बुलडोजर चला रहे 47 वर्षीय जेसन एनसाइन की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने बताया कि राइट्स स्प्रिंग की आग बहुत तेजी से फैली, जिससे एनसाइन के बचने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। चिलोक्विन शहर के पूर्व में दक्षिण-मध्य ओरेगन में आग बुधवार को भड़की थी। अमेरिकी वन सेवा के अनुसार, शुक्रवार तक यह आग लगभग 36 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और इस पर बिल्कुल भी काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया कि अत्यधिक गर्म और शुष्क मौसम के कारण आग ने भयानक रूप ले लिया है।

यूटा में राहत कार्य के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश : दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर उन सात विमानों में से एक था जो मध्य यूटा में 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी आग को बुझाने का काम कर रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि साल्ट लेक सिटी से लगभग 258 किलोमीटर दक्षिण में रिचफील्ड के पास क्रैश हुआ। ग्रेट बेसिन इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम के टायलर हेचट ने बताया कि जब हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, तब उड़ान के लिए स्थिति अनुकूल थी। सिकोरस्की एस-64 नामक यह हेलीकॉप्टर खड़ी ढलान वाले इलाके में काम कर रहा था और इसके क्रैश होने से एक और आग लग गई। हेचट ने कहा कि यह ज्ञात नहीं है कि हेलीकॉप्टर क्रैश होने से पहले कितनी देर तक उड़ रहा था। सिकोरस्की एस-64 स्काईक्रेन हेलीकॉप्टरों का उपयोग व्यावसायिक रूप से और सरकारी एजेंसियों द्वारा आग बुझाने और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इन्हें आग पर पानी या अग्निशामक रसायन गिराने के लिए विशेष टैंकों से सुसज्जित किया जा सकता है। शुक्रवार शाम तक आग की लपटों के कारण बचाव दल दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन अधिकारियों को अगले 24 घंटों में वहां पहुंचने की उम्मीद थी। सेवियर काउंटी के शेरिफ नाथन कर्टिस ने कहा कि हम बचाव दल को बड़े जोखिम में नहीं डालना चाहते थे। जैसे ही संभव होगा, हम उन्हें वहां भेजेंगे। दुर्घटना के बाद आग बुझाने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और स्न इस मामले की जांच करेंगे, लेकिन अगर आसपास आग लगी हो, तो वे भी तुरंत घटनास्थल तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच पाएंगे।

खराब मौसम की चेतावनी : शुक्रवार सुबह दमकल कर्मियों को चेतावनी दी गई थी कि अप्रत्याशित हवाएं, सूखा ईंधन और उच्च तापमान के साथ-साथ बिना बारिश वाले तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। इलाके में रेड फ्लैग चेतावनी लागू कर दी गई थी। यूटा के कानोश समुदाय के पास फिशलेक नेशनल फॉरेस्ट में लगी आग शुक्रवार सुबह तक 427 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और केवल 19 प्रतिशत ही नियंत्रित हो पाई थी। 600 से अधिक अग्निशमन कर्मी इस आग से जूझ रहे हैं। आग के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और लकड़ी, झाड़ियों और घास में लगी इस आग ने कम से कम छह इमारतों को नष्ट कर दिया है। महीनों से जारी शुष्क मौसम, कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की रिकॉर्ड कमी, भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने यूटा और पश्चिम के अन्य हिस्सों में आग को भड़काने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में कोलोराडो में तेजी से फैलती जंगल की आग की चपेट में आने से चार दमकल कर्मियों की मौत हो गई थी और पांचवां घायल हो गया था। दमकल कर्मियों ने तंबू जैसे आपातकालीन शेल्टर लगाकर खुद को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन आग की लपटें उनके ऊपर से गुजर गईं।

पहली बार एआई ने खुद से डिजाइन किया वायरस, बैक्टीरिया खत्म किया; वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस के रिसर्चर्स ने एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बिल्कुल नए वायरल डिजाइन किए हैं, जो लैब में अपनी कॉपी भी बना सकते हैं। यह पहली बार हुआ है जब जेनरेटिव एआई से पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक डिजाइन किया गया है। एआई को वायरस, बैक्टीरिया, पौधों और इंसानों के जेनेटिक कोड पर ट्रेन किया गया। फिर इसे बैक्टीरियोफेज बनाने के लिए रिफाइन किया गया। ये ऐसे वायरस होते हैं जो सिर्फ खास बैक्टीरिया को इन्फेक्ट करते हैं, इंसानों को नहीं। स्टैनफोर्ड टीम ने एआई के 302 सबसे अच्छे डिजाइन चुने और उन्हें लैब में बनाया। इनमें से 16 फेज श्र. कोलाई बैक्टीरिया को मारने में सफल रहे। स्टूडेंट सैमुअल किंग ने बताया, जब पेट्री डिश पर साफ स्पॉट दिखे तो समझ गया कि फेज काम कर रहे हैं। ये बहुत रोमांचक था। रिजल्ट सुनकर लैब में तालियां बजने लगीं। एक्सपर्ट्स इसे साइंस में बहुत बड़ा टर्निंग पाइंट कह रहे हैं। प्रो.ब्रायन ही के मुताबिक, इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट इन्फेक्शन के इलाज के नए तरीके मिल सकते हैं। साथ ही नई दवाएं, थेरेपी और जेनेटिक बीमारियों का इलाज भी संभव हो सकता है।स्पेन के प्रोफेसर मार्क गुएल ने कहा कि इतिहास में पहली बार हम कंप्यूटर पर बायलॉजी डिजाइन कर रहे हैं। इसके साथ बायोसेफ्टी और बायोसिक्योरिटी का खतरा भी बढ़ गया है। जॉन्स हॉपकिन्स के डॉ. थॉमस इंगल्सबी और डॉ. मोरिट्ज हैंके ने लिखा कि अब सवाल ये नहीं है कि एआई वायरस बना सकता है या नहीं, सवाल ये है कि क्या इसका इस्तेमाल गंभीर नुकसान के बिना हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि बीमारी पैदा करने वाले वायरस को डिजाइन करने की कोशिश बिल्कुल नहीं होनी चाहिए रिसर्चर्स ने पहले ही सावधानी बरती।

पीओके में हिंसा: यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा। वह पाक में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए पीटीआई के सवाल का जवाब दे रहे थे। पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। यूएन की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कैलिफोर्निया में कंटेंट क्रिएटर्स पर बढ़ी सख्ती? पैसे लेकर सियासी पोस्ट करने पर लग सकता है जुर्माना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया में गवर्नर पद के लिए प्राथमिक चुनाव के लिए मतदान खत्म होने में कुछ हफ्ते बाकी हैं। इसी बीच, लॉस एंजिलिस के रहने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर शाका स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनके सात लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने बताया कि वह किसे वोट देंगे और क्यों। शाका स्मिथ ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च इतना नहीं होना चाहिए कि आपका दिवाला निकल जाए। घर खरीदना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वालों का खर्च हमें नहीं उठाना चाहिए और कलाकारों की जगह एआई को नहीं लेना चाहिए। इसलिए मैं गवर्नर पद के लिए टॉम स्टेयर का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन स्मिथ ने वीडियो की शुरुआत एक अस्वीकारीकरण (डिस्क्लेमर) से की। उन्होंने कहा,

यह एक विज्ञापन है और सच कहूं तो मेरी इच्छा है कि ज्यादा राजनीतिक कंटेंट में यह बात शुरुआत में ही कही जाए। उनके पोस्ट के कैप्शन में यह भी साफ लिखा था कि उन्हें स्टेयर के चुनाव अभियान ने पैसे दिए थे।

जानकारी न देने पर लग सकता है जुर्माना : कैलिफोर्निया और टेक्सस उन दो राज्यों में शामिल हैं, जहां ऐसे नियम हैं जिनके तहत कंटेंट क्रिएटर्स को बताना जरूरी है कि उन्हें किसी राजनीतिक अभियान ने पोस्ट करने के लिए पैसे दिए हैं। अब कैलिफोर्निया ऐसे मामलों में और सख्ती करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत पैसे मिलने की जानकारी नहीं देने वाले क्रिएटर्स पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चुनावी अभियान लंबे समय से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मशहूर हस्तियों और बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ काम करते रहे हैं। लेकिन अब वे छोटे क्रिएटर्स के साथ भी अपने साथ जोड़ रहे हैं।

मध्यावधि और राष्ट्रपति चुनावों में होगी कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका : इससे इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़े खुलासे के नियम कंटेंट क्रिएटर्स पर भी लागू होने चाहिए या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले मध्यावधि चुनावों और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में इन क्रिएटर्स की बड़ी भूमिका हो सकती है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने कहा, अगर आप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और अभी इन लोगों का समर्थन हासिल करने या अपने लिए ऐसे लोगों को तैयार करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो आपकी ओर से बात कर सकें, तो आप पहले ही पीछे हैं। नेलिस ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए काम किया था। चुनावी अभियान अपना संदेश फैलाने के लिए क्रिएटर्स की मदद ले रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़ी पारदर्शिता को लेकर सवाल ऐसे कई चर्चित मामलों के बाद बढ़े हैं, जिनमें इन्फ्लुएंसर्स ने लोगों की राय या वोट बदलने के उद्देश्य से कंटेंट बनाया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें इसके लिए पैसे दिए गए थे।

बातचीत जारी रहेगी, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेशकियन ने ये बातें शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया। पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी

पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित मतभेद की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी।

होर्मुज के पास दो धमाकों की आवाजें सुनाई दीं : इस बीच, गुरुवार रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और दुश्मन के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज रात करीब 9-40 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) सुनी गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना की इस कार्रवाई में क्या उपलब्धियां हासिल हुईं, इसकी जानकारी आने वाले घंटों में दी जाएगी। उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन इस्लामी रेजिस्टेंस ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी।

एच-1बी और ग्रीन कार्ड पर बढ़ेगी सख्ती, भारतीय प्रोफेशनल्स की बढ़ेंगी मुश्किलें?

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने अमेरिकी श्रम विभाग से पीईआरएम प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग कर कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी श्रमिकों को मौका देती हैं। प्रस्ताव में अमेरिकी आवेदकों के रिकॉर्ड रखने, रिजेक्शन का कारण दर्ज करने, योग्य बेरोजगार अमेरिकियों को नौकरी की जानकारी देने और उनका इंटरव्यू लेने जैसे कड़े प्रावधान सुझाए गए हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं, इसलिए प्रस्तावित बदलावों का असर भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल यह केवल बदलाव का प्रस्ताव है और इसका वास्तविक असर श्रम विभाग के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा। सीनेटर एरिक शिमट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम का इस्तेमाल किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी दिलाने और उसके लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करने के पहले चरण के तौर पर करते हैं।

क्या कंपनियां सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख रही : एरिक शिमट ने लिखा,पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों के असली मकसद को बहाल करना चाहिए। क्या भारतीयों को लेकर सीधे कोई बदलाव प्रस्तावित है? उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच-1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियमों को दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच-1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने को कहा है।

भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका असर क्यों पड़ सकता है : अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत सभी एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र स्टूडेंट वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के जरिए एच-1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और इसके बाद नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं।

क्या ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया जटिल होगी : विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की जांच सख्त की गई तो नियोक्ताओं पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी जांच कड़ी हो सकती है। पहले से ही जटिल मानी जाने वाली स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। हालांकि, अंतिम असर इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रम विभाग एरिक शिमट के प्रस्तावों को किस हद तक अपनाता है। एरिक शिमट ने कहा कि पीईआरएम के नियम 20 साल से ज्यादा समय से नहीं बदले हैं। गैर-पेशेवर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में आमतौर पर दो अखबारों में विज्ञापन देना और राज्य रोजगार एजेंसी में पंजीकरण कराना जरूरी है। वहीं, पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन देना अनिवार्य नहीं है।

अंधेरे में छिपी सिर्फ एक आवाज... आखिर कहां गायब हैं ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जो 1989 से ईरान का नेतृत्व कर रहे थे। जिसके बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई सालों तक पर्दे के पीछे काम करने के बाद इस्लामिक रिपब्लिक के सबसे शक्तिशाली पद पर आसीन हुए थे। लेकिन उस हमले में खुद भी घायल हुए मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद से अब तक दर्जन से अधिक लिखित संदेश जारी किए हैं, लेकिन अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। पिछले महीने मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी दी कि यदि वह इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रखता है तो उसे कभी न भूलने वाला सबक सिखाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य करार दिया। यह बयान ईरानी सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जब इसके कुछ घंटे पहले ही तेहरान ने एक महीने पहले हुए एक अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित करने की घोषणा की थी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और बुनियादी ढांचों पर लगातार हमले हो रहे थे। मोजतबा ने कहा कि अब जब अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और इसके जरिए उसे और भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी तथा और अधिक अपमान सहना होगा, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि ईरान के महान राष्ट्र और रेजिस्टेंस फ्रंट ने उसके लिए ऐसा सबक तैयार रखा है जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा।

जब से संघर्ष फिर से बढ़ा है, तब से यह बयान खामेनेई का पहला सार्वजनिक संदेश था। इस बीच युद्ध को समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों पर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। उनके लिखित संदेशों और सोशल मीडिया चैनलों पर सक्रियता के बावजूद, इस बात की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है कि 28 फरवरी के हमले के बाद मोजतबा खामेनेई जीवित भी हैं या नहीं। उस हमले में उनकी पत्नी जहरा हद्दाद आदेल और खामेनेई परिवार के

अन्य सदस्य भी मारे गए थे।

हालांकि, कई ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वह हमले में घायल हो गए थे। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि वह शायद ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं या सुरक्षा कारणों से एहतियात बरत रहे हैं और इसलिए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं।

ईरान के राष्ट्रपति का दावा : ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को कथित तौर पर तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के रूप में पेश किया गया। इस गुप्त मुलाकात ने ईरान के नए नेतृत्व के आसपास बनी गोपनीयता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पेजेशकियन को काले और गहरे शीशे वाले वाहन की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई के रूप में पहचाना गया व्यक्ति पहले से बैठा हुआ था। खिड़कियों के शीशे काले रखे गए थे, सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के माध्यम से संवाद कर सकते थे। बाद में पेजेशकियन को इस बात पर संदेह हुआ कि क्या जो आवाज उन्होंने सुनी, वह वास्तव में नए सुप्रीम लीडर की ही थी। यह मुलाकात केवल कुछ ही मिनटों तक चली, हालांकि बाद में पेजेशकियन ने व्यापार संघ के प्रतिनिधियों को बताया था कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल में खामेनेई के साथ ढाई घंटे बिताए। रिपोर्ट के अनुसार, पेजेशकियन ने बार-बार सुप्रीम लीडर से मिलने का अनुरोध किया था और इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी। उनके कार्यालय ने आखिरकार मुलाकात के लिए सहमति दे दी, लेकिन पिछली परंपराओं को तोड़ते हुए उन्हें आधिकारिक आवास पर नहीं बुलाया गया, बल्कि उन्हें एक अज्ञात स्थान पर निर्देशित किया गया।

खामेनेई के स्वास्थ्य पर उठ रहे सवाल : इजरायली मीडिया के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनके स्वास्थ्य की इस कथित स्थिति की कोई स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए चैनल 14 (ष्ट14) और इससे पहले यरूशलेम पोस्ट ने कहा कि ईरानी शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि खामेनेई की हालत बेहद गंभीर है, जिसमें ईरानवायर और पेजेशकियन प्रशासन के करीबी सूत्रों का हवाला दिया गया था। यरूशलेम पोस्ट के एक सूत्र ने कहा कि अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनाई दे।

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए. पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत- प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

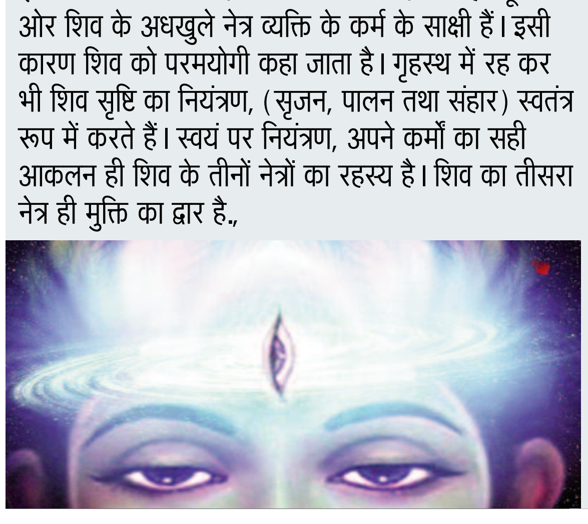

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्रायफ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सत्तू की मिठाई ●हलवा ●पेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्ल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृशणवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुशपाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिपः बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है। इसके साथ ही, भारतीयों ने 2021 की अंडर 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है। इवेंट खत्म होने में अभी एक दिन बाकी है और भारत के पास टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड कायम करने का सुनहरा मौका है।इससे पहले, भारत की महिलाओं की 4м400 मीटर रिले टीम - जिसमें भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं ने अपनी हीट में टॉप तीन में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

संक्षिप्त समाचार

कोरिया फुटबॉल संघः विदेशी मैच अधिकारियों को अनुचित फेवर के देने के लगे आरोप

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ (केएफए) ने 2011 और 2012 में देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के दौरान विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित तौर पर अनुचित तरह का मनोरंजन उपलब्ध कराने के आरोपों को लेकर माफी मांगी है। संघ ने कहा कि वह एक दशक से भी पहले की कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद शर्मिंदा है और इस मामले से लोगों में पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए खेद व्यक्त करता है। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मीडिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि केएफए ने 2011 और 2012 में विश्व कप और ओलंपिक क्वालिफायर के अलावा कुछ दोस्ताना मुकाबलों से पहले और बाद में विदेशी रेफरी तथा अन्य मैच अधिकारियों के लिए अनुचित मनोरंजन की व्यवस्था की थी। इन आरोपों के सामने आने के बाद केएफए को संसदीय सुनवाई, अपने मुख्यालय पर पुलिस की छापेमारी और मीडिया रिपोर्ट्स का सामना करना पड़ा है। संघ ने कहा कि इन घटनाओं से पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए वह 'बेहद शर्मिंदा' है। केएफए ने हालांकि स्पष्ट किया कि मौजूदा समय में ऐसी कोई गलत प्रथा नहीं चल रही है और न ही कॉर्पोरेट कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने पारदर्शिता और नैतिक मानकों को मजबूत करने तथा जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए व्यापक सुधार करने का वादा किया है। केएफए पहले से ही राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच होंग म्युंग-बो की नियुक्ति को लेकर विवादों में है। साल 2024 में हुई उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में केएफए के मुख्यालय पर छापा मारा था। पिछले महीने केएफए के पूर्व अध्यक्ष चुंग मोंग-ग्यू और होंग म्युंग-बो से राष्ट्रीय टीम के प्रबंधन और संघ के कामकाज को लेकर संसदीय सुनवाई में सवाल भी पूछे गए थे। दक्षिण कोरिया के 2026 फीफा विश्व कप अभियान के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच चुंग मोंग-ग्यू ने कुछ सप्ताह पहले केएफए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कोच होंग म्युंग-बो को भी पद छोड़ना पड़ा। दक्षिण कोरिया ग्रुप-ए में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने चेक गणराज्य को हराया, लेकिन मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। इस्तीफे की घोषणा करते हुए चुंग ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और असफलताओं, दोनों को स्वीकार किया। दक्षिण कोरिया एशिया की शीर्ष फुटबॉल टीमों में से एक है। टीम का सबसे यादगार विश्व कप प्रदर्शन 2002 में आया था, जब दक्षिण कोरिया ने जापान के साथ मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। अपने घरेलू विश्व कप में दक्षिण कोरिया सेमीफाइनल तक पहुंचा था और चौथे स्थान पर रहा था। सेमीफाइनल में उसे जर्मनी के हाथों हार मिली थी। जर्मनी बाद में फाइनल में ब्राजील से हार गया था।

जूनियर एशिया कप के लिए भारत की 18 सदस्यीय हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय मुख्य टीम चुनी गई है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम फिलहाल बंगलूरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज की निगरानी में प्रशिक्षण कर रही है। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में बेल्जियम का एक्सपोजर दौरा भी किया था, जहां खिलाड़ियों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच खेलने का अनुभव मिला। साथ ही टीम को अपनी प्रगति का आकलन करने, संयोजन बेहतर करने और टूर्नामेंट से पहले तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिला। भारतीय टीम फिलहाल साइ केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैचों के जरिए भी अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

अस्मिता चलिहा बनीं कोरिया मास्टर्स चैंपियन

पहला गेम हारने के बाद किया कमाल का कमबैक

असान, एजेंसी। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चलिहा ने शानदार वापसी करते हुए विक्टर कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में अस्मिता ने चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। 53 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और लगातार दो गेम जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब हासिल किया।

फाइनल की शुरुआत अस्मिता के लिए अच्छी नहीं रही। वह पहले गेम में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आईं। हान कियान शी ने इसका फायदा उठाते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम कर लिया।

एक गेम से पिछड़ने के बाद अस्मिता ने अपने खेल की गति और आक्रामकता बढ़ाई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लगातार आक्रामक शॉट लगाए और चीनी खिलाड़ी को दबाव में रखा। अस्मिता ने दूसरा गेम भी 21-14 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों लगातार अंक हासिल करती रहीं और मुकाबला बेहद करीबी रहा। हालांकि, मध्यांतर के बाद अस्मिता ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने 12-11 की बढ़त बनाने के बाद एक सटीक विनर लगाया। इसके बाद कोर्ट के बाहर जाते हुए बेहद मुश्किल शॉट को भी अस्मिता ने अंदर रखने में सफलता हासिल की और अपनी बढ़त 15-11 कर ली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अस्मिता ने शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर के जरिए स्कोर 19-14 किया। अगले रिटर्न पर हान की शटल बाहर चली गई और भारतीय खिलाड़ी जीत के बेहद करीब पहुंच गईं। आखिरकार अस्मिता ने 21-14 से तीसरा गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कोरिया मास्टर्स की यह जीत अस्मिता चलिहा के करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 स्तर पर उनका पहला खिताब भी है। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह अस्मिता ने मुकाबले में वापसी की, वह उनकी मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। निर्णायक गेम में भी करीबी मुकाबले के बीच उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर आक्रामक खेल दिखाकर इतिहास रच दिया।

पहले किया शानदार गोल, फिर उतारी जर्सी...!

डी पॉल ने मेसी को दिया ट्रिब्यूट; भावुक कर देने वाला पल

मियामी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने शनिवार को ऐसा गोल किया, जिसने मुकाबले से ज्यादा अपने खास जश्न के कारण सुर्खियां बटोरीं। डी पॉल ने मॉन्टेरी के खिलाफ शानदार लंबी दूरी का गोल दागने के बाद अपनी जर्सी उतारी। इसके नीचे लियोनल मेसी की मशहूर नंबर-10 वाली जर्सी नजर आई। उनका यह अंदाज मेसी और उनके परिवार के प्रति भावुक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है।

गोल के बाद दिखी मेसी की नंबर-10 जर्सी

मुकाबले के 31वें मिनट में डी पॉल को पेनल्टी एरिया के बाहर गेंद मिली।

उन्होंने बिना ज्यादा समय गंवाए जोरदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। मॉन्टेरी के गोलकीपर लुइस कार्डेनास ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उसे गोल में जाने से नहीं रोक सके।

गोल करने के तुरंत बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतार दी। उनके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। डी पॉल का यह सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और इसे मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके दोस्त को समर्थन देने के संदेश के रूप में देखा गया।

मेसी के बेहद करीबी दोस्तों में हैं डी पॉल

डी पॉल लंबे समय से लियोनल मेसी के बेहद करीबी साथियों में गिने जाते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम में दोनों की दोस्ती काफी मजबूत रही है और मैदान के बाहर भी डी पॉल ने कई मौकों पर मेसी का साथ दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के दौरान भी मेसी निजी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण भावनात्मक रूप से परेशान नजर आए थे। उस समय डी पॉल उनके साथ खड़े रहे थे। अब क्लब स्तर पर भी उन्होंने अपने दोस्त को यह खास संदेश दिया।लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें अर्जेंटीना के रोसारियो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जॉर्ज अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों, लियोनल, रोड्रिगो, मातियास और मारिया सोल को छोड़ गए हैं। जॉर्ज मेसी ने लियोनल के करियर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह उनके एजेंट रहे और उनके व्यावसायिक मामलों को संभालते थे। युवा मेसी के साथ वह 2000 के दशक की शुरुआत में बार्सिलोना गए थे, जहां मेसी ने क्लब की मशहूर युवा अकादमी ला मासिया में ट्रायल दिया था।

मेसी के करियर में पिता का बड़ा योगदान

जॉर्ज खुद भी फुटबॉल खेल चुके थे। वह मिडफील्डर के तौर पर न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की युवा टीम तक पहुंचे थे, लेकिन अनिवार्य सैन्य सेवा पूरी करने के लिए उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लियोनल मेसी ने 2005 में सीनियर फुटबॉल में डेब्यू किया और आगे चलकर आठ बैलन डी'ओर पुरस्कार जीते। उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब भी दिलाया। ऐसे में डी पॉल का गोल के बाद मेसी की नंबर-10 जर्सी दिखाना सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि अपने दोस्त और उसके परिवार के प्रति समर्थन का भावुक संदेश भी माना जा रहा है।

लक्ष्मण बोलेः सीरीज के दौरान नहीं हो सकता यो-यो टेस्ट

बंगलूरू । भारतीय क्रिकेट में बढ़ती चोटों के बीच बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्व) पर सवाल उठ रहे हैं। खिलाड़ियों की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया, फिटनेस आकलन और स्पोर्ट्स साइंस टीम और राष्ट्रीय चयन समिति के बीच तालमेल को लेकर आलोचना के बीच सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने संस्थान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य क्रिकेटरों को बेहतर बनाने और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करना भी है।

लक्ष्मण ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट अब लगातार निगरानी पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का पारंपरिक यो-यो टेस्ट कराना संभव नहीं होता। ऐसे में फिटनेस पर नजर बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट को इस्तेमाल में लाया गया है।

लक्ष्मण ने बताया कि ब्रोंको टेस्ट के जरिए सीरीज के दौरान भी खिलाड़ियों की फिटनेस को लगातार मॉनिटर किया जा सकता है। इसे एड्रियन ने तैयार किया है। लक्ष्मण ने कहा, 'जब कोई खिलाड़ी सीरीज का हिस्सा होता है, तब यो-यो टेस्ट नहीं किया जा सकता। इसलिए हमने एड्रियन द्वारा तैयार किया गया ब्रोंको टेस्ट पेश किया है, ताकि फिटनेस की लगातार निगरानी की जा सके।' इस व्यवस्था का मकसद खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना उनकी फिटनेस की स्थिति पर नजर रखना है। इससे टीम मैनेजमेंट को यह समझने में मदद मिलती है कि खिलाड़ी मैच खेलने के लिए किस स्तर तक तैयार है।

लक्ष्मण ने बताया कि जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस को अलग-अलग मानकों पर जांचा गया और खेलने की मंजूरी देने से पहले उनकी स्थिति का कई स्तरों पर आकलन किया गया।

उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह और बी. साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। खेलने की मंजूरी देने से पहले हम उन्हें एक पैरामीटर से दूसरे पैरामीटर तक ले जाते हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच संवाद काफी सहज है।' लक्ष्मण ने यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और भारतीय टीम के मैनेजमेंट के बीच लगातार संवाद बना हुआ है।

श्रीलंका ने 200 रन बनाकर घोषित की अपनी पारी, यशस्वी ने की तेज बैटिंग

कोलंबो। भारत और श्रीलंका इलेवन के बीच कोलंबो के नॉन्डस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में तीन दिवसीय वार्म अप मैच खेला जा रहा है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी। टीम इंडिया के सामने 207 रन का लक्ष्य है। हालांकि, इससे भी बड़ी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे।

वह यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी निभाई। यशस्वी 46 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। वहीं, गिल अर्धशतक से चूक गए। वह 54 गेंद में सात चौके की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल क्रीज पर हैं। भारत ने एक विकेट पर 135+ रन बना लिए हैं।

शुभमन की अंगुली में लगी थी चोट

शुभमन को वार्म अप मैच से पहले अंगुली में चोट लगी थी और वह शुरुआती दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। इस वार्म अप मैच में एक दिन श्रीलंका को बल्लेबाजी करनी थी और एक दिन भारत को। तीसरे दिन दोनों टीमों को 45-45 ओवर बल्लेबाजी करनी थी।

फैंस ने ली राहत की सांस

श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 363 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 357 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। तीसरे दिन श्रीलंका इलेवन ने 45 ओवर में छह विकेट पर 200 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर छह रन की लीड के साथ उनकी कुल बढ़त 206 रन की हुई और भारत को 207 रन का लक्ष्य मिला। गिल के खेलने पर संशय था, लेकिन अब जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं तो टीम मैनेजमेंट के साथ-साथ फैंस ने राहत की सांस ली होगी। गिल की गैरमौजूदगी में दो दिन केएल राहुल ने कमाल संभाली थी।

श्रीलंका इलेवन की दूसरी पारी

श्रीलंका-इलेवन के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन निशान मदुशंका ने बनाए। उन्होंने 73 गेंद में 63 रन की पारी खेली और रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके अलावा अंजला बंदारा ने 35 रन और निपुण धनंजय ने 46 रन की पारी खेली। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। भारत ने अपनी पहली पारी में 357 रन बनाए थे। केएल राहुल ने 40 रन और रवींद्र जडेजा ने 63 रन की पारी खेली थी। मानव सुथार ने 41 रन बनाए थे। इसके अलावा सारांश जैन ने 22 रन और गुरनूर बराड़ ने 18 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 36 रन बनाए।